कार्तिक कृष्ण पक्ष -10, 2083 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-10, अंक - 118 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांक: म.प्र./4-474/2024-26

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

भोपाल
04 नवंबर 2026 बुधवार

आज का मौसम
28.5 अधिकतम
15.0 न्यूनतम



Page-7

भोपाल में भाजपा की 'लोकतंत्र बचाओ-अराजकता हटाओ' पदयात्रा

देश को अस्थिर करना चाहता है इंडी गठबंधन : नड्डा



भोपाल, दोपहर मेट्रो

भोपाल में भारतीय जनता पार्टी द्वारा आयोजित 'लोकतंत्र बचाओ-अराजकता हटाओ' पदयात्रा के दौरान केंद्रीय मंत्री जे.पी. नड्डा और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कांग्रेस पार्टी पर तीखा हमला बोला है। नड्डा ने टीटी नगर स्थित अटल पथ पर आयोजित सभा को संबोधित करते हुए कहा कि कांग्रेस पार्टी देश को अस्थिर करना चाहती है और झूठ व अराजकता फैलाकर माहौल खराब करने की कोशिश कर रही है। स्वतंत्र और संवैधानिक संस्थाओं को बदनाम करना ही इनका एकमात्र उद्देश्य रह गया है। 90 बार चुनी हुई सरकारों को इन्होने बर्खास्त किया। इमरजेंसी का जिक्र करते हुए नड्डा ने कहा कि मैं खुद इसका भुक्तभोगी हूं। उन्होंने कहा कांग्रेस और इंडी गठबंधन देश को अस्थिर करना चाहते हैं।

■ मुख्यमंत्री यादव बोले - संविधान की धज्जियां उड़ाने वाले आज इस पर सवाल उठा रहे

मुख्यमंत्री ने कांग्रेस पर सीधा निशाना साधते हुए कहा कि जो लोग खुद संविधान की धज्जियां उड़ाते रहे हैं, वे आज इस पर सवाल उठा रहे हैं। राहुल गांधी और कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि सुप्रीम कोर्ट का अपमान करने और चुनाव आयोग को अपनी जेब की पुड़िया समझने वालों को जनता माफ नहीं करेगी। उन्होंने कहा कि जब-जब न्यायालय ने कांग्रेस के खिलाफ फैसला दिया, पार्टी ने न्यायाधीशों और न्यायालय का अपमान किया। आपातकाल इसका गवाह है।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल ने राहुल गांधी पर चुनाव प्रक्रिया को लेकर बेबुनियाद आरोप लगाने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र में गड़बड़ी के आरोप लगाए गए, लेकिन राहुल गांधी और कांग्रेस आज तक कोई सबूत नहीं दे पाए। भाजपा की यह विशाल पदयात्रा अटल पथ से शुरू होकर रोशनपुरा चौराहे तक पहुंची। पार्टी का दावा है कि इस कार्यक्रम में करीब एक लाख लोगों की भीड़ जुटी। इससे पहले दो दिन पहले भाजपा ने जबलपुर में भी इसी तरह की पदयात्रा निकाली थी।

इस बड़े राजनीतिक आयोजन और भारी भीड़ को देखते हुए प्रशासन द्वारा सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए और मुख्य मार्गों पर ट्रैफिक को डायवर्ट कर वैकल्पिक रास्तों का इस्तेमाल करने की सलाह दी गई।

न्यूज विंडो

पहले वनडे में कीवी 185 पर ढेर बारिश के कारण मैच रुका



ऑकलैंड। पहले वनडे में भारतीय गेंदबाजों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए न्यूजीलैंड की टीम को 185 रन पर समेट दिया। ईडन पार्क में न्यूजीलैंड ने 40.2 ओवर में सभी विकेट गंवा दिए। भारत को जीत के लिए 186 रन का लक्ष्य मिला है। भारत की ओर से अर्शदीप सिंह ने घातक गेंदबाजी करते हुए चार विकेट झटके, जबकि गुरनूर बरार ने तीन। जवाबी पारी में भारतीय टीम ने 10.5 ओवर में 1 विकेट के नुकसान पर 54 रन बना लिए है। विराट कोहली 29* और शुभमन गिल 17* रन पर नाबाद हैं। वहीं बारिश के कारण मैच रोका गया है।

लोकायुक्त छापा: प्रबंधक का वेतन 65 लाख, संपत्ति 2.41 करोड़ की



धार। आदिम जाति सेवा सहकारी समिति नालछा के प्रबंधक शेरसिंह ठाकुर के ठिकानों पर आज सुबह लोकायुक्त पुलिस इंदौर की तीन टीमों ने एक साथ छापेमार कार्रवाई की। शुरुआती जांच में उनके पास आय से अधिक संपत्ति होने का खुलासा हुआ है। लोकायुक्त के अनुसार, करीब 20 साल के सेवाकाल में ठाकुर को लगभग 65 लाख रुपए वेतन मिला, जबकि इस दौरान उन्होंने करीब 2 करोड़ 41 लाख 45 हजार रुपए की संपत्ति अर्जित और खर्च की। यह ज्ञात वैध आय से 271.46 प्रतिशत अधिक बताई गई है। कार्रवाई के दौरान सोडपुर, नालछा और मांडव स्थित ठिकानों पर तलाशी ली जा रही है। -विस्तृत पेज-6

पांच हत्याओं के आरोपी की पुलिस एनकाउंटर में मौत

गुवाहाटी। असम के शिवसागर जिले में पुलिस फायरिंग में होटल गोलीकांड के आरोपी घनकांत गोगोई की मौत हो गई। उस पर 26 अक्टूबर को गुवाहाटी के एक होटल में पांच लोगों की गोली मारकर हत्या करने का आरोप था। एसएसपी पापोरी चेतिया के मुताबिक, आरोपी को पुराने मामले में पूछताछ के लिए गुवाहाटी से शिवसागर ले जाया जा रहा था। रास्ते में फूलपनिचिगा इलाके में उसने शौच जाने की बात कही। गाड़ी से उतरते ही वह सब इंस्पेक्टर देबाशीष शर्मा की सर्विस पिस्टल छीनने लगा। इस दौरान हाथापाई हुई और गोलियां चलीं। पुलिस के अनुसार, आरोपी के हमले से अधिकारी को बचाने के लिए एक पुलिसकर्मी ने जवाबी फायरिंग की। गोली लगने से घायल गोगोई की अस्पताल ले जाते समय मौत हो गई।



राष्ट्रपति ट्रंप की हार का भारत पर मिला-जुला असर-देखें पेज-8

आज का कार्टून



वॉशिंगटन में सत्ता संग्राम...सीनेट से हाउस तक डेमोक्रेट्स की वापसी

मिडटर्म इलेक्शन में विपक्ष की आंधी सत्ता की करारी हार

दोनों सदनों में ट्रंप को मात

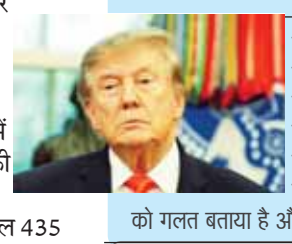
वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी

अमेरिका के मिडटर्म चुनाव में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की रिपब्लिकन पार्टी को हार मिली है। विपक्षी डेमोक्रेटिक पार्टी ने सीनेट में 51 सीटें और हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स में 218 सीटें जीतकर बहुमत हासिल कर लिया है। पिछले 21 मिडटर्म चुनावों में से 19 बार राष्ट्रपति की पार्टी हारी है। केवल 1998 में बिल क्लिंटन और 2002 में जॉर्ज बुश की पार्टियों ने जीत दर्ज की थी।

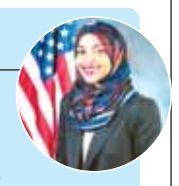
हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स हाउस में कुल 435 सीटें हैं और सभी सीटों पर चुनाव हुए हैं। शुरुआती रुझानों में विपक्षी डेमोक्रेटिक पार्टी 219 सीटों पर आगे चल रही है। राष्ट्रपति ट्रंप की रिपब्लिकन पार्टी 125 सीटों पर बढ़त बनाए हुए है। सीनेट की 100 सीटों में से 35 पर चुनाव हुए हैं। आंकड़ों के मुताबिक, अब तक 29 सीटों के नतीजे सामने आ चुके हैं। इनमें डेमोक्रेटिक पार्टी ने 19 और रिपब्लिकन पार्टी ने 10 सीटें जीती हैं। बाकी 6 सीटों पर वोटों की गिनती जारी है। इन नतीजों को मिलाकर डेमोक्रेटिक पार्टी के पास 53 और रिपब्लिकन पार्टी के पास 41 सीटें हैं।

इसी तरह गवर्नर की कुल 36 सीटों में से 26 राज्यों के नतीजे आ चुके हैं। 17 डेमोक्रेट्स और 9 रिपब्लिकन ने सीटें जीती हैं। भारतीय मूल की डेमोक्रेटिक नेता प्रमिला जयपाल ने वॉशिंगटन के 7वें संसदीय क्षेत्र से लगातार छठी जीत की।

इतिहास... पिछले 21 में से 19 चुनावों में राष्ट्रपति की पार्टी हारी



ट्रंप की विरोधी इल्हान जीतीं



डोनाल्ड ट्रम्प के विरोध के बावजूद डेमोक्रेटिक पार्टी की इल्हान उमर ने मिनेसोटा से पांचवीं बार जीत हासिल की। उन्होंने रिपब्लिकन उम्मीदवार जॉन नेगल को हराया। चुनाव प्रचार के दौरान ट्रम्प ने उमर पर लगातार निशाना साधा था। उनकी शादी और अमेरिकी नागरिकता को लेकर भी सवाल उठाए गए थे। फिलहाल अमेरिकी एजेंसियां उनके पुराने आव्रजन दस्तावेजों और नागरिकता से जुड़े मामलों की जांच कर रही हैं। उमर ने इन आरोपों को गलत बताया है और जांच को राजनीतिक दबाव बनाने की कोशिश कहा है।

पहले मुस्लिम सीनेटर अब्दुल



अब्दुल एल-सैयद अमेरिका के पहले मुस्लिम सीनेटर बनने जा रहे हैं। खास बात यह है कि चुनाव प्रचार के दौरान राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अब्दुल को 'जिहादी' और आतंकियों का समर्थक बताया था। ट्रंप ने उनकी अमेरिकी संसद में मौजूदगी पर भी सवाल उठाए थे। 42 साल के अब्दुल एल-सैयद मूल रूप से मिस्र से जुड़े परिवार से आते हैं।

ट्रंप ने कहा - कोई पछतावा नहीं

रिपब्लिकन पार्टी की करारी हार के बाद ट्रंप ने कहा है कि वह मध्यावधि चुनाव के नतीजों को स्वीकार करेंगे। ट्रंप ने यह भी कहा कि वह डेमोक्रेट्स के साथ मिलकर काम करने के लिए तैयार हैं। उन्होंने कहा कि उन्हें नतीजों पर कोई पछतावा नहीं है। ट्रंप ने कहा कि डेमोक्रेट्स कई सालों से दोनों सदनों में जीत हासिल करने की कोशिश कर रहे थे और आखिरकार उन्हें इसमें सफलता मिली। उन्होंने डेमोक्रेट्स को बधाई देते हुए कहा कि उन्होंने अच्छी कोशिश की है। ट्रंप ने अपने पिछले दो साल के कामकाज की भी तारीफ की। उन्होंने अर्थव्यवस्था में सुधार और अमेरिका की दक्षिणी सीमा की सुरक्षा को अपनी सरकार की बड़ी उपलब्धियां बताया।

प्रमिला अमेरिकी संसद के निचले सदन यानी हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स में पहुंचने वाली पहली भारतीय-अमेरिकी महिला हैं। उनका जन्म चेन्नई में हुआ था। वह 2016


डोनाल्ड ट्रंप के लिए प्रतिमिंग है इजराइल चुनाव के नतीजे!

29 अक्टूबर को प्रकाशित
दोपहर मेट्रो के प्रसंगवश कॉलम में ट्रंप के सामने आने वाली चुनौतियों का खुलासा किया गया था।

तब.. केरलम में पीडब्लूडी सचिव थे

ज्ञानेश कुमार पर 20 साल पुराने रिश्वत के आरोप की होगी जांच

तिरुअनंतपुरम, एजेंसी। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ 20 साल पुराने रिश्वत मांगने के आरोपों की जांच होगी। केरलम के गृहमंत्री मेश चेन्निथला ने विजिलेंस को जांच के आदेश दिए हैं। यह मामला सड़क निर्माण प्रोजेक्ट से जुड़ा है। कोल्लम के ठेकेदार साजन का आरोप है कि ज्ञानेश कुमार ने केरल स्टेट ट्रांसपोर्ट प्रोजेक्ट का काम पूरा होने के बाद पेमेंट करने के बदले 2 करोड़ की रिश्वत मांगी थी।



इस समय कांग्रेस की अगुवाई में पूरे देश में ज्ञानेश कुमार के खिलाफ एसएआर में गड़बड़ी के आरोप लगाए जा रहे हैं। इसी साल मई में हुए विधानसभा चुनाव में केरलम में कांग्रेस की अगुवाई वाले यूडीएफ ने 140 में से 97 सीटें जीतकर बहुमत हासिल किया था। कांग्रेस ने यहां 10 साल बाद सत्ता में वापसी की है। आरोप लगाने वाले साजन के मुताबिक, इंजीनियरों ने करीब 17 रूपए करोड़ के बिल मंजूर कर दिए थे, लेकिन ज्ञानेश कुमार ने चेक रोक दिए। इससे मलेशियाई कंपनी और उसके ठेकेदारों-कर्मचारियों को आर्थिक परेशानी हुई।

कंपनी के प्रोजेक्ट इंजीनियर ली सी बीन ने उन्हें (साजन को) बताया था कि ज्ञानेश कुमार रिश्वत मांगे बिना भुगतान के चेक जारी नहीं कर रहे हैं। भुगतान न मिलने और रिश्वत मांगने के कारण ली ने 2006 में आत्महत्या कर ली थी। ली ने सुसाइड नोट में ज्ञानेश कुमार का नाम लिखा था। ली के मलेशिया में रहने वाले परिवार ने भी कंपनी के कर्मचारियों को इसकी जानकारी दी थी।

सिने वर्कर्स ने पीएम मोदी को लिखा पत्र

बुलेटप्रूफ शीशे के पीछे अमिताभ बॉलीवुड सितारों की सुरक्षा पर चिंता

मुंबई, एजेंसी

अभिनेता अमिताभ बच्चन रविवार को अपने घर जलसा के बाहर बुलेटप्रूफ ग्लास के पीछे खड़े होकर प्रशंसकों से मिले। इस घटना के बाद उनकी सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ गई। ऑल इंडिया सिने वर्कर्स एसोसिएशन (एआईसीडब्ल्यूए) ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर अमिताभ सहित फिल्मी हस्तियों, फिल्म निर्माताओं और उनके परिवारों की सुरक्षा बढ़ाने की मांग की है।

संगठन ने पत्र में बाबा सिद्दीकी की हत्या, सलमान खान के घर गोलीबारी, सैफ अली खान पर हमले और रोहित शेट्टी व टाइगर श्रॉफ से जुड़ी गोलीबारी की घटनाओं का जिक्र किया।



AICWA ने आशंका जताई कि रंगदारी के लिए बॉलीवुड हस्तियों को निशाना बनाया जा रहा है। संगठन ने कहा कि केवल आश्वासन नहीं, बल्कि ठोस सुरक्षा इंतजाम जरूरी हैं।

बुजुर्गों की आबादी बढ़ने और कामकाजी वर्ग घटने पर जताई चिंता

दो से ज्यादा बच्चे होने पर चुनाव लड़ने से रोकने वाली कानूनी पाबंदी सही नहीं: सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने दो से अधिक बच्चे होने पर चुनाव लड़ने से रोकने वाले कानूनों की प्रासंगिकता पर सवाल उठाए हैं। जस्टिस पीएस नरसिम्हा और जस्टिस आलोक अराधे की पीठ ने कहा कि भारत की प्रजनन दर 2003 में 3 थी, जो अब घटकर 1.9 रह गई है। ऐसे में बढ़ती आबादी का डर इन कानूनों का आधार नहीं रह सकता।



कोर्ट ने कहा कि भविष्य में बुजुर्गों की आबादी बढ़ेगी और कामकाजी लोगों का अनुपात घटेगा। बच्चों की संख्या का किसी व्यक्ति की सार्वजनिक पद संभालने की क्षमता से सीधा संबंध नहीं है। ऐसी पाबंदियां नागरिकों को राजनीतिक प्रतिनिधित्व से वंचित करती हैं और प्रजनन स्वायत्तता के अधिकार को प्रभावित करती हैं। पीठ ने 2003 के उस फैसले को बड़ी बेंच के पास भेज दिया, जिसमें हरियाणा के दो बच्चों वाले नियम को सही ठहराया गया था।

मेट्रो एंकर | दूसरे देश के सैटेलाइट को ट्रांसफर होगा डेटा तो संभव नहीं होगा उनकी निगरानी कर पाना

सिग्नल्स और डेटा की सुरक्षा पर पेंच, अभी और टलेगी स्टारलिंक की एंट्री

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत में स्टारलिंक की सर्विस शुरू होने में अब और समय लग सकता है। दरअसल सुरक्षा एजेंसियों ने स्टारलिंक को लेकर चिंताओं की लंबी लिस्ट रख दी है। इसमें सबसे बड़ा पेंच सिग्नल्स और डेटा की ट्रैकिंग को लेकर फंसा है। रिपोर्ट्स के अनुसार सुरक्षा एजेंसियों का कहना है कि भारतीयों का डेटा बहुत आसानी से सीधे विदेशी सैटेलाइट्स को भेजा जा सकता है। इससे पहले ही पड़ोसी मुल्कों में स्टारलिंक की सर्विस शुरू होने की वजह से भारत में अवैध सिग्नल्स और उपकरणों की तस्करी ने एजेंसियों की चिंता बढ़ा दी है।

सुरक्षा एजेंसियों को सबसे ज्यादा ऐतराज इस बात को लेकर है कि भारतीय बेस स्टेशन से डेटा और सिग्नल्स जब सैटेलाइट के जरिए दूसरे देश के सैटेलाइट को ट्रांसफर होंगे, तो उनकी निगरानी कर पाना संभव नहीं होगा। एजेंसियां दूसरी सैटेलाइट को ट्रांसफर होने वाले डेटा की मांग कंपनी से कर रही है लेकिन फिलहाल इस पर कोई सहमति नहीं बन पाई है। इसके अलावा भारत में मौजूद उपकरणों और ऑपरेशन्स का सीधे अमेरिका के कंट्रोल में होना भी बड़ी चिंता की बात बताई जा रही है। एजेंसियां चाहती हैं कि जो सर्विस भारत की धरती पर चल रही है, उसका कंट्रोल विदेश में किसी के पास न हो।



यहां अलग कंपनी बनाए स्टारलिंक

एजेंसियों का स्टारलिंक को लेकर सुझाव है कि वे भारत में अपनी अलग कंपनी बनाएं। इससे कंपनी सीधे भारतीय टेलीकॉम कानूनों के दायरे में आ जाएगी और विवाद की स्थिति में विदेशी अदालतों के साथ उलझना नहीं पड़ेगा। भारत सरकार ने 2023 के टेलीकॉम एक्ट में बदलाव करके स्पेक्ट्रम की नीलामी की जगह पर प्रशासनिक आवंटन का रास्ता खोला था। स्टारलिंक शुरुआत से इसके पक्ष में था। हालांकि जियो और एयरटेल जैसी कंपनियां चाहती थीं कि स्पेक्ट्रम का आवंटन नीलामी से ही हो। एक्सपर्ट्स का दावा है कि क्योंकि अब स्टारलिंक को लेकर रक्षा और सुरक्षा विंग कोई जल्दबाजी दिखाने के मूड में नहीं हैं इसलिए भारत में इसकी शुरुआत होने में समय लग सकता है।

बांग्लादेश और म्यांमार में स्टारलिंक के पहले ही शुरू होने से चिंताएं और बढ़ गई हैं। यही नहीं, म्यांमार के रास्ते पूर्वोत्तर राज्यों में स्टारलिंक के हार्डवेयर की तस्करी के मामले भी सामने आए हैं। बांग्लादेश में स्टारलिंक की वजह से भारतीय सीमा में सिग्नल ट्रेस होने पर एजेंसियों को जैमर्स का भी इस्तेमाल करना पड़ा था। संभव है कि आने वाले दिनों में यह सर्विस पाकिस्तान में भी शुरू हो जाए। इससे सीमा से लगे इलाके और भी संवेदनशील हो जाएंगे।

मां लक्ष्मी के स्वागत के लिए शहर पर चढ़ा त्योहारी रंग, बाजार में दीपोत्सव का उल्लास

भोपाल। दोपहर मेट्रो

रोशनी के पर्व दीपावली पर शहर की रौनक देखते ही बन रही है। पुराने शहर के चौक बाजार, लखेरापुरा और इब्राहिमपुरा से लेकर न्यू भोपाल तक बाजार रंग-बिरंगी रोशनी और सजावटी सामानों से गुलजार हैं। इस बार कोलकाता स्पेशल, कछुआ और हाथी डिजाइन के दीयों की खास मांग है। इनकी कीमत 50 से 200 रुपए तक है। वहीं, पारंपरिक मिट्टी और पीतल के दीये भी लोगों की पहली पसंद बने हुए हैं।

दिवाली सिर्फ खरीदारी और रोशनी तक सीमित नहीं, बल्कि परंपरा, पर्यावरण और संस्कृति का अनूठा संगम है। बैरागढ़ चीचली में कारीगरों ने इस साल 10 लाख मिट्टी के दीये तैयार किए हैं। वहीं, पटाखों की खरीदारी भी शुरू हो गई है। मां लक्ष्मी के स्वागत कि लिए जगह-जगह तोरण, आर्टिफिशियल फूल और पाने की खरीदारी कर रहे हैं। लोगों ने जहां घरों को रंग-बिरंगी बिजली की लड़ियों से सजा दिया है। वहीं, सराफा बाजार, ऑटोमोबाइल मार्केट समेत हर सेक्टर की चमक दोगुनी नजर आ रही है।

ग्रीन पटाखों की खरीदारी

पटाखा बाजार में ग्रीन पटाखों की लंबी श्रृंखला है। अनार, स्कायशॉट, फुलझड़ी भी पर्यावरण फ्रेंडली आए हैं। हालांकि पटाखों की कीमतों में 20 फीसदी का उछाल है, लेकिन त्योहारी उत्साह पर यह फीका है।











न्यूज विंडो

48 हजार में किराए पर कार लेकर आरोपी फरार, केस दर्ज

भोपाल। बागोसेवनिया इलाके में एक व्यक्ति 48 हजार रुपए में एक महीने के लिए किराए पर ली गई कार लेकर फरार हो गया। कार मालिक पक्ष ने बागोसेवनिया थाने में इसकी शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस के मुताबिक बागमूगलिया-लाहारपुर निवासी 21 वर्षीय रोहित सिंह राजावत एलएनसीटी कॉलेज के छात्र हैं। उन्होंने दोस्त प्रांजल को कार किराए पर देने की सलाह दी थी। कार प्रांजल के मौसा रामध्यान पवार के नाम पर है। आरोपी आगम, सौरभ तिवारी का नाम लेकर 48 हजार में किराए पर ली थी।

अब स्वामित्व योजना के तहत नि:शुल्क रजिस्ट्री ने पकड़ी रफ्तार

भोपाल। अब स्वामित्व योजना के तहत ग्रामीण इलाकों के मकानों की फ्री में रजिस्ट्री करने का काम गति पकड़ने लगा है। गांवों में शिविरों में ग्रामीण मकानों की रजिस्ट्री कराने पहुंच रहे हैं। हुजूर, कोलार व बैरसिया क्षेत्र से लगे ग्रामीण क्षेत्रों में पटवारी फ्री में रजिस्ट्री करने में जुटे हैं। एक दिन में भोपाल जिले में एक हजार रजिस्ट्री करने के लक्ष्य पूरा करने पर पटवारियों का फोकस है। दरअसल बीते महीने स्वामित्व योजना के तहत रजिस्ट्री करने के विरोध के चलते लक्ष्य पूरा नहीं हो पा रहा था।

113 अवैध कॉलोनियां चिह्नित, पर हटाने की कार्रवाई ही हो गई धीमी

भोपाल। जिले में अवैध कॉलोनियों को हटाने की कार्रवाई धीमी हो गई है. 113 अवैध कॉलोनियां चिह्नित की थीं, लेकिन अब तक 30 के करीब ही कॉलोनी पर कार्रवाई हो सकी। इसमें सबसे अधिक कार्रवाई हुजूर क्षेत्र में की गई है। इसके अलावा बैरसिया व कोलार क्षेत्र में विकसित हो रही अवैध कॉलोनियों पर प्रशासन का बुलडोजर नहीं चला है। सितंबर, अक्टूबर माह में भी अवैध कॉलोनियों को हटाने की कार्रवाई धीमी रही थी। इस महीने भी कार्रवाई धीमी ही चल रही है।

मैनिट के 47 विद्यार्थियों को रिलायंस इंडस्ट्रीज में नौ लाख रुपए का पैकेज

भोपाल। मौलाना आजाद राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (मैनिट) के 47 विद्यार्थियों का रिलायंस इंडस्ट्रीज ने नौ लाख रुपए के सालाना पैकेज पर चयन किया है। यह मौजूदा प्लेसमेंट सत्र में संस्थान में किसी एक कंपनी द्वारा किया गया सबसे बड़ा चयन है। प्रशिक्षण एवं प्लेसमेंट अधिकारी प्रो. अरुणा सक्सेना ने बताया कि इस सीजन में देशभर में रिलायंस की किसी एक कैंपस भर्ती प्रक्रिया में भी यह सर्वाधिक चयन है। इसमें भर्ती प्रक्रिया में शामिल रहे 100 विद्यार्थियों के साथ विभागाध्यक्ष, शिक्षक और प्रशिक्षण एवं प्लेसमेंट सेल की टीम मौजूद रही।

ट्रांसमिशन लाइनों के कॉरिडोर में बने मकान, 853 को नोटिस

भोपाल। शहर में बिजली की अति उच्च दाब ट्रांसमिशन लाइनों के प्रतिबंधित कॉरिडोर में धड़ल्ले से निर्माण हो रहे हैं। इससे लोगों की जान पर खतरा मंडरा रहा है। मध्य प्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी (एमपी ट्रांसको) ने तीन प्रमुख 132 केवी ट्रांसमिशन लाइनों के आसपास नियम विरुद्ध निर्माण के मामलों में 853 नोटिस जारी किए हैं। अब कंपनी स्थानीय प्रशासन के सहयोग से अभियान चलाकर लोगों को विद्युत सुरक्षा के प्रति जागरूक करेगी। एमपी ट्रांसको के अनुसार, भोपाल में गोविंदपुरा-भोपाल-बैरागढ़ टैप लालघाटी, भोपाल-आईटी पार्क और भोपाल-अमरावतखुर्द 132 केवी ट्रांसमिशन लाइनों के निर्धारित राइट ऑफ वे क्षेत्र में निर्माण के मामले सामने आए हैं।

सरकारी एडवाइजरी में खुलासा : सबसे ज्यादा दिल के मरीज, बच्चों को खतरा

खराब हवा से बढ़े दिल के मरीज 11.5% मौतों का कारण प्रदूषण

भोपाल। दोपहर मेट्रो

हवा में बढ़ने वाला प्रदूषण सिर्फ सांसों को ही नहीं, दिल और दिमाग को भी नुकसान पहुंचा सकता है। राज्य सरकार के लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग ने दीपावली को लेकर वायु प्रदूषण से बचाव की एडवाइजरी जारी की है। इसमें केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की रिपोर्ट का हवाला देते बताया है कि देश में बीमारियों से हुई मौत और लंबे समय बीमारी झेलने की स्थिति में वायु प्रदूषण की हिस्सेदारी 11.5 फीसदी है। इसमें सबसे बड़ा हिस्सा इस्केमिक हार्ट डिजीज यानी दिल की बीमारी है, जो 24.9 प्रतिशत है।

इसके बाद सीओपीडी का 22.7 प्रतिशत, निचले श्वसन तंत्र के संक्रमण का 15.5 प्रतिशत और स्ट्रोक का 13.7 प्रतिशत योगदान है। नवजात संबंधी विकार, डायबिटीज और फेफड़ों का कैंसर भी प्रदूषण से जुड़े हैं। यह आंकड़े डीएलवाई यानी बीमारी और समय से पहले मौत के कारण खोए स्वस्थ जीवन पर आधारित है। एडवाइजरी में बच्चों, गर्भवती महिलाओं, बुजुर्गों और पहले से बीमार लोगों को अधिक जोखिम वाला बताया गया है. विभाग ने प्रदूषण बढ़ने पर बाहर की गतिविधियां सीमित करने और अस्पतालों को उपचार की तैयारी रखने की सलाह दी है। एडवाइजरी के साथ विभाग ने अस्पतालों में समुचित व्यवस्था करने के निर्देश जारी किए हैं। कहा है, सभी अस्पतालों ओपीडी विशेषज्ञ, जनरल ओपीडी मेडिसिन, शिशु रोग, श्वसन रोग, हृदय रोग एवं न्यूरोलॉजी ओपीडी में समस्त आवश्यक संसाधन एवं दवाओं का स्टॉक रखें।



प्रदूषण से ऐसी बीमारियों का खतरा

बीमारी	हालात
इस्केमिक हार्ट डिजीज	24.9 फीसदी
सीओपीडी के मामले	22.7 प्रतिशत
श्वसन संक्रमण	15.5 फीसदी
नवजात संबंधी विकार	14.5 फीसदी
स्ट्रोक आने के मामले	13.7 प्रतिशत
डायबिटीज मामले	5.5 प्रतिशत
मोतियाबिंद के मामले	1.5 प्रतिशत
फेफड़ों का कैंसर	1.3 प्रतिशत

प्रदूषण से बचाव के लिए एडवाइजरी

- बाहर की गतिविधियां सीमित करें।
- बच्चे, गर्भवती महिलाएं, बुजुर्ग प्रदूषण से बचें।
- घर के आसपास कचरा न जलाएं।
- घर के अंदर धुआं न करें।
- लक्षणों को नजरअंदाज न करें।
- दिवाली पर अस्पतालों में हो व्यवस्था

सर्दियों में प्रदूषक हवा के दबाव से नीचे जम जाते, इसलिए सुबह की हवा ज्यादा प्रदूषित

एडवाइजरी के अनुसार भारत में कुल बीमारी के बोझ का 11.5 प्रतिशत वायु प्रदूषण से जुड़ा है। अलग-अलग बीमारियों के प्रतिशत प्रदूषण से जुड़े कुल बीमारी के बोझ में उनके योगदान को दर्शाते हैं। हवा में कार्बन मोनोऑक्साइड, ग्राउंड लेवल ओजोन, वॉलेटाइल ऑर्गेनिक कंपाउंड, सल्फर डाइऑक्साइड, नाइट्रोजन डाइऑक्साइड और पार्टिकुलेट मैटर (पीएम-2.5 और पीएम 10) जैसे प्रदूषक मौजूद रहते हैं। इनके लंबे समय तक संपर्क में रहने से फेफड़ों और हृदय संबंधी बीमारियों का खतरा बढ़ता है। विशेषज्ञों के अनुसार सर्दियों में देर रात सुबह हवा का दबाव कम होने से प्रदूषक नीचे जम जाते हैं। इससे सुबह की हवा सबसे ज्यादा प्रदूषित होती है। यह स्थिति फेफड़ों के रोगियों, हार्ट पेशंट, 5 साल से छोटे बच्चों और 60+ उम्र के लोगों के लिए बेहद खतरनाक है।

खनिज परिवहन की जांच के भी दिए निर्देश

बड़े तालाब के कैचमेंट में दौड़ रहे डंपर, अवैध खनन पर करें कार्रवाई: एनजीटी



भोपाल। दोपहर मेट्रो

राजधानी में एनजीटी ने बड़ी झील के कैचमेंट क्षेत्र में अवैध खनन और दूसरे मामले में अस्पतालों से निकलने वाले बायोमेडिकल कचरे के सुरक्षित निपटान में नियमों की अनदेखी को सख्त निर्देश जारी किए हैं। बड़ी झील के कैचमेंट क्षेत्र में अवैध खनन की शिकायत को नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल ने गंभीरता से लिया है। रातीबड़ के कलखेड़ा-मालीखेड़ी में जलभराव क्षेत्र के किनारे 5 स्थानों पर पत्थर व मिट्टी निकाले जाने की शिकायत के मामले में एनजीटी की सेंट्रल जोन बेंच ने मप्र प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड और खनिज विभाग को मौके पर जांच कर नियमानुसार कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। ट्रिब्यूनल ने कहा है कि जांच के दौरान यदि अवैध खनन पाया जाता है तो संबंधितों के खिलाफ कार्रवाई की जाए। इसके साथ ही खनिज के अवैध परिवहन की जांच होगी। अफसरों को यह भी देखना होगा कि जलभराव क्षेत्र से निकाले जा रहे खनिज को बिना अनुमति कहीं दूसरी जगह तो नहीं ले जाया जा रहा है।

पांच जगह से पत्थर-गिट्टी निकालने की शिकायत

मामले की सुनवाई के दौरान सामने आया कि बड़ी झील के कैचमेंट में पांच अलग-अलग स्थानों से पत्थर और गिट्टी निकाले जाने की शिकायत है। इन स्थानों से खनिज परिवहन के लिए डंपरों की आवाजाही भी होने की बात सामने आई। एनजीटी ने स्थल निरीक्षण कर वास्तविक स्थिति पता लगाने के निर्देश दिए हैं।

भूजल पर असर की आशंका

कैचमेंट में खनन और भारी वाहनों की आवाजाही से जलभराव क्षेत्र के आसपास के प्राकृतिक स्वरूप पर असर पड़ने की आशंका है। इससे भूजल पर भी असर पड़ सकता है। इसलिए एनजीटी ने केवल खनन की अनुमति की जांच तक मामला सीमित नहीं रखा, बल्कि निकाले गए खनिज के परिवहन की भी जांच के निर्देश दिए हैं।

गुंडे अरशद बब्बा और दो हथियारबंद साथियों की करतूत

रंगदारी नहीं देने पर कारोबारी से घर में घुसकर की मारपीट

भोपाल। दोपहर मेट्रो

टीला जमालपुरा में रंगदारी नहीं देने पर बदमाशों ने डीजे कारोबारी के घर में घुसकर हमला कर दिया. आरोपियों ने 10 हजार रुपए की मांग करते हुए धमकाया कि रकम नहीं दी तो कारोबार नहीं करने देंगे। घटना का वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें आरोपी हथियार लेकर घर पर हमला करते और जान से मारने की धमकी देते नजर आ रहे हैं।

पुलिस ने बताया कि कांग्रेस नगर के मो. जैद (26) की इलाके में डीजे और लाइट की दुकान है। वह घर पर था, तभी अरशद बब्बा अपने साथी अरबाज उर्फ बिहारी और इकबाल के साथ पहुंचा. तीनों जबरन घर में घुस गए। आरोपियों ने गाली-गलौज करते हुए जैद से 10 हजार रुपए खर्चे के लिए मांगे। विरोध करने पर अरशद ने डंडे से अलमारी पर हमला किया, जिससे उसका कांच टूट गया. इसके बाद जैद के साथ मारपीट कर उसे घसीटते हुए बाहर ले आया।

कई केस पहले से हैं दर्ज

जैद की पत्नी अस्मा उसे बचाने पहुंची तो आरोपियों ने उसे धक्का दे दिया। शोर सुनकर सउद भी बीच-बचाव करने आया। इसी दौरान अरबाज से छुरी लेकर अरशद ने हमला किया। छुरी से जैदको चोट आई है। आरोपियों ने धमकी दी है कि पुलिस में शिकायत की तो पूरे परिवार को जान से खत्म कर देंगे। बदमाश अरशद बब्बा पर हत्या के प्रयास समेत कई केस दर्ज हैं।

एक माह से खुदीं सड़कें, टेंडर के बाद भी नहीं हो रहा डामरीकरण, लोग धूल-गड्ढे से परेशान



भोपाल। राजधानी की बाग मुगालिया एक्सटेंशन कॉलोनी में एक महीने से खुदी सड़कों पर डामरीकरण नहीं होने से रहवासी परेशान हैं। करीब 85 एकड़ में फैली इस कॉलोनी में अप्रैल में 17 करोड़ रुपए की लागत से सड़क निर्माण कार्य का भूमि पूजन हुआ था। इसके तहत आधी सड़कों का सीमेंट कंक्रीटीकरण हो चुका है, जबकि बाकी सड़कों पर डामरीकरण होना है। इसके लिए एक माहे पहले सड़कें खोदी गई थीं, लेकिन काम पूरा नहीं हुआ है। बाग मुगालिया एक्सटेंशन कॉलोनी विकास समिति के अध्यक्ष उमाशंकर तिवारी ने बताया कि टेंडर होने के बावजूद डामरीकरण नहीं किया जा रहा है। डामर की कमी और कीमत बढ़ने को इसकी वजह बताया जा रहा है। सड़कों पर बिछी गिट्टी से वाहन फिसल रहे हैं और धूल उड़ने से रहवासियों को परेशानी हो रही है। लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों से संपर्क करने पर फोन तक नहीं उठाए जा रहे।

जुर्माना भी लगाया

लोन दिलाने के नाम पर 25 लाख फ्रॉड में 3-3 साल की कैद

भोपाल। भोले-भाले लोगों को लोन दिलाने का झांसा देकर धोखाधड़ी कर 25 लाख रुपए हड़पने के मामले के आरोपियों को अपर सत्र न्यायाधीश मयंक कुमार शुक्ला ने 8 बार 3-3 साल कठोर कारावास और 48-48 हजार रुपए के जुर्माने की सजा सुनाई है। कोर्ट ने मामले में आरोपी बालादीन रजक (34) कारीतलाई कटनी हाल निवासी-फ्लैट नं. 501 रीगल नेस्ट अवधपुरी भोपाल और रितेश गुप्ता पिता सुभाष (39) निवासी म.नं. 118 दुबे कॉलोनी महर्षि विद्या मंदिर के पास कटनी जंक्शन जिला कटनी म.प्र. वर्तमान निवासी- फ्लैट नं. 1105 जैनित अपॉर्टमेंट थाना पनवेल नवी मुम्बई जिला रायगढ़ (मुंबई) को 8 बार 3-3 साल के कैद की सजा सुनाई।

मेट्रो एंकर उपभोक्ता आयोग ने अमेजन को दिया ब्याज सहित राशि लौटाने का आदेश

ऑनलाइन लैपटॉप मंगवाया, भेजा ई-वेस्ट...देना होगा जुर्माना

भोपाल। दोपहर मेट्रो

ऑनलाइन खरीदारी में डिलीवरी के समय ओटीपी देना इस बात की गारंटी नहीं है कि ग्राहक को खरीदा हुआ सामान ही मिला है। भोपाल के एक उपभोक्ता ने 1.29 लाख रुपए का लैपटॉप ऑर्डर किया, लेकिन घर पहुंचे पार्सल में लैपटॉप की जगह इलेक्ट्रॉनिक कचरा निकला। ई-कॉमर्स कंपनी अमेजन के पास शिकायत की, बार-बार संपर्क किया, लेकिन न लैपटॉप मिला और न ही रकम वापस हुई। कंपनी ने ओटीपी से डिलीवरी पूरी होने का हवाला देकर जिम्मेदारी से पल्ला झाड़ने की कोशिश की। इसके बाद मामला जिला उपभोक्ता आयोग पहुंचा।

भोपाल निवासी रौनक बज ने 2023 में अमेजन से सैमसंग गैलेक्सी बुक 2 प्रो 360 मॉडल का लैपटॉप खरीदा था। पांच दिन बाद पार्सल डिलीवर हुआ। उपभोक्ता का कहना है कि डिलीवरी प्रक्रिया पूरी करने के बाद जब उन्होंने सीलबंद पैकेट खोला तो उसमें लैपटॉप की जगह इलेक्ट्रॉनिक कचरा मिला। उन्होंने तत्काल शिकायत दर्ज कराई, लेकिन समाधान नहीं हुआ। हेल्पलाइन पर अच्छी प्रतिक्रिया भी नहीं दी गई। इसके बाद वे थक-हारकर उपभोक्ता फोरम पहुंचे।

आयोग में अमेजन ने दलील दी कि वह केवल ऑनलाइन खरीद-बिक्री का मंच है। उसके मंच पर लैपटॉप किसी अन्य विक्रेता ने बेचा था और ओटीपी के जरिए डिलीवरी पूरी हुई थी, इसलिए कंपनी को जिम्मेदार नहीं ठहराया जा सकता।

आयोग ने कहा कि ओटीपी से केवल डिलीवरी की पुष्टि होती है, सामान की सही आपूर्ति साबित नहीं होती। ऐसे में सामान की गुणवत्ता की पुष्टि भी करनी होगी। आयोग ने कंपनी को लैपटॉप की राशि 25 हजार और 9 प्रतिशत सालाना ब्याज व मुकदमे के खर्च के लिए 5 हजार रुपए अतिरिक्त देने के आदेश दिए हैं।



45 दिन में करना होगा भुगतान

भोपाल जिला उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग-1 के अध्यक्ष योगेश दत्त शुक्ला और सदस्य डॉ. संजीव सिंह की पीठ ने अमेजन को लैपटॉप की पूरी कीमत चुकाने के आदेश दिए हैं। इस पर 9 प्रतिशत सालाना ब्याज और अतिरिक्त भुगतान करना होगा। इसके लिए आयोग ने 45 दिनों का वक्त दिया है।

ऑनलाइन शॉपिंग के दौरान हमेशा अलर्ट रहें

एडवोकेट सरिता राजानी का कहना है कि ऑनलाइन सामान मंगाते समय पैकेट खोलने की प्रक्रिया का वीडियो बनाना चाहिए। गलत सामान मिलने पर तत्काल शिकायत दर्ज कराकर ई-मेल, रसीद और कंपनी से हुई बातचीत का रिकॉर्ड रखना चाहिए। ये दस्तावेज उपभोक्ता आयोग में मजबूत साक्ष्य बन सकते हैं। ऑनलाइन शॉपिंग आज हमारी जिंदगी का हिस्सा बन गई है, लेकिन थोड़ी सी लापरवाही से आर्थिक नुकसान और साइबर धोखाधड़ी का शिकार होना पड़ सकता है। इसलिए ऑनलाइन सामान मंगवाते समय कुछ जरूरी बातों का ध्यान रखना बेहद जरूरी है।

फिर बदल सकता है मौसम, तूफान मुरासु के असर से कल शहर में बारिश के आसार

भोपाल। दोपहर मेट्रो

प्रदेश में मौसम का मिजाज एक बार फिर बदल गया है। भोपाल में सुबह से धूप खिली। लेकिन प्रदेशभर में मौसम शुष्क रहा। कई जगह तेजी से पारा गिर रहा है। इसके चलते मैदानी इलाकों के साथ राजधानी भोपाल में रातें अब ठंडी होने लगी हैं। भोपाल का जहां न्यूनतम तापमान सामान्य से 1.2 डिग्री गिरकर 15.1 डिग्री सेल्सियस पर आ गया। वहीं, दमोह और रायसेन में रात का पारा 16.0 डिग्री और छतरपुर के नौगांव में 16.8 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया।

मौसम विज्ञानी एसएन साहू ने बताया, उत्तर-पश्चिमी हवाओं और साफ आसमान के चलते पूर्वी मप्र में न्यूनतम पारे में दो डिग्री की गिरावट आएगी। उधर, दक्षिण तटीय आंध्र प्रदेश से उत्तर-पश्चिम की ओर बढ़ रहा तूफान मुरासु कमजोर पड़ रहा है। हालांकि इसके प्रभाव से बुधवार को दक्षिण-पूर्वी हिस्से में बादल छाएंगे और सिवनी, बालाघाट, मंडला, डिंडोरी व अनूपपुर में गरज-चमक के साथ हल्की वर्षा की संभावना है।



दिन में धूप के कारण गर्माहट बरकरार

राजधानी भोपाल में बुधवार को सुबह धूप खिली। लोगों को यह गुनगुनी धूप पसंद आ रही है। हालांकि रात में पारा अब गिरने लगा है। मौसम विभाग की माने तो मुरासु अब कमजोर हो रहा है। लेकिन गुरुवार को राजधानी भोपाल समेत प्रदेश के 21 जिलों में हल्की बारिश के आसार हैं।



एक मंच पर सजी विविधता, स्थापना दिवस समारोह में दिखी राष्ट्रीय एकता की झलक

भोपाल स्थित लोकभवन के सांदीपनि सभागार में पंजाब, हरियाणा, छत्तीसगढ़, चंडीगढ़, दिल्ली, जम्मू-कश्मीर और लद्दाख का स्थापना दिवस संयुक्त रूप से मनाया गया। इस अवसर पर राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने विभिन्न राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों से आए प्रतिभागियों के साथ समूह चित्र खिंचवाया। समारोह में अलग-अलग क्षेत्रों की सांस्कृतिक पहचान, परंपराओं और विरासत की झलक देखने को मिली। विविध भाषा, वेशभूषा और रीति-रिवाजों के बावजूद एकता के सूत्र में बंधे प्रतिभागियों ने देश की सांस्कृतिक समृद्धि और अखंडता का संदेश दिया।

5 साल बाद 3062 आशा कार्यकर्ताओं की होगी भर्ती

10वीं पास विवाहित महिलाएं कर सकेंगी आवेदन

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मध्यप्रदेश में पांच साल बाद ग्रामीण आशा कार्यकर्ताओं की भर्ती प्रक्रिया शुरू होने जा रही है। प्रदेश में 3062 पदों पर महिलाओं का चयन किया जाएगा। इसके लिए 16 नवंबर से ऑनलाइन आवेदन किए जा सकेंगे। आवेदन की अंतिम तारीख 16 दिसंबर 2026 तय की गई है। भर्ती के लिए आवेदिका का संबंधित गांव का निवासी होना जरूरी है। केवल विवाहित महिलाएं ही आवेदन कर सकेंगी। उम्र 21 से 45 साल और न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता 10वीं पास रखी गई है। आवेदन एमपी ई-सेवा पोर्टल के जरिए ही स्वीकार किए जाएंगे।

कलेक्टर की निगरानी में होगी चयन प्रक्रिया

ग्रामीण आशा कार्यकर्ताओं का चयन जिला स्तर पर किया जाएगा। पूरी प्रक्रिया कलेक्टर की अध्यक्षता वाली जिला स्वास्थ्य समिति की निगरानी में होगी। ग्रामवार निर्धारित संख्या और चयन के लिए चिह्नित गांवों के अनुसार ही पद भरे जाएंगे।आवेदनों को ग्रामसभा के सामने रखा जाएगा। ग्रामसभा चयन के प्रस्तावों का अनुमोदन कर भेजेगी। इसके बाद विकासखंड स्तर पर दावे-आपत्तियों का निराकरण होगा।

किसान संघ के पदाधिकारियों के साथ मुख्यमंत्री की बैठक

आधुनिक खेती से जुड़ेंगे युवा, प्राकृतिक खेती करने वालों को अनुदान देगी सरकार

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मध्यप्रदेश में युवाओं का खेती और कृषि शिक्षा के प्रति रुझान बढ़ाने के लिए राज्य सरकार नए प्रयासों को गति देगी। युवाओं को कृषि पाठ्यक्रमों से जोड़ने के साथ उन्हें आधुनिक खेती, उन्नत कृषि यंत्रों और नई तकनीकों के इस्तेमाल के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि इस दिशा में भारतीय किसान संघ भी महत्वपूर्ण सहयोगी भूमिका निभा सकता है। किसान कल्याण वर्ष के दौरान प्रदेश में कृषि को समृद्ध और सशक्त बनाने के लिए कई स्तरों पर काम किया जा रहा है। बलराम कृषि महोत्सव ने भी किसानों तक नई तकनीक और आधुनिक कृषि पद्धतियों की जानकारी पहुंचाने में सहयोग किया है। डॉ. यादव मुख्यमंत्री निवास स्थित समत्व भवन में भारतीय किसान संघ के पदाधिकारियों के साथ चर्चा कर रहे थे। बैठक में खेती को लाभकारी बनाने, किसानों को सरकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाने, सिंचाई सुविधाओं के विस्तार, पराली प्रबंधन और प्राकृतिक खेती को प्रोत्साहित करने सहित कई महत्वपूर्ण विषयों पर विचार-विमर्श हुआ। मुख्यमंत्री ने कहा कि खेती को केवल परंपरागत कार्य के रूप में देखने के बजाय आधुनिक तकनीक और नए अवसरों से जोड़ने की जरूरत है। युवाओं को कृषि शिक्षा के प्रति आकर्षित करने के साथ उन्हें कृषि क्षेत्र में रोजगार और स्वरोजगार की संभावनाओं से भी परिचित कराया जाना चाहिए। इसके लिए भारतीय किसान संघ की भागीदारी उपयोगी हो सकती है। उन्होंने कहा कि किसानों को नई तकनीकों, उन्नत उपकरणों और आधुनिक कृषि



फार्मर आईडी से खाद-यूरिया के भंडार की मिलेगी सही जानकारी

मुख्यमंत्री ने फार्मर आईडी व्यवस्था के लाभ बताते हुए कहा कि इससे प्रदेश में खाद और यूरिया के भंडार की वास्तविक स्थिति की जानकारी मिल रही है। मध्यप्रदेश इस व्यवस्था का प्रभावी उपयोग कर रहा है। इससे कृषि क्षेत्र की जरूरतों का बेहतर आकलन करने और किसानों तक खाद की उपलब्धता सुनिश्चित करने में मदद मिलती है। उन्होंने कम वर्षा वाले जिलों में बोरवेल खनन पर प्रतिबंध लगाने की पहल का भी उल्लेख किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार सिंचाई सुविधाओं का लगातार विस्तार कर रही है, ताकि किसानों को वर्षा पर निर्भरता कम करनी पड़े और खेती के लिए पर्याप्त पानी उपलब्ध हो सके।

पराली प्रबंधन में उदाहरण बनेगा प्रदेश

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने पराली नियंत्रण के मामले में मध्यप्रदेश को देश के सामने एक उदाहरण के रूप में स्थापित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि फसल अवशेषों के उचित प्रबंधन के लिए प्रभावी प्रयास जरूरी हैं। इससे पर्यावरण संरक्षण के साथ कृषि भूमि की गुणवत्ता बनाए रखने में भी मदद मिलेगी। बैठक में फसलों को नुकसान पहुंचाने वाले विभिन्न पशुओं की समस्या पर भी चर्चा हुई। मुख्यमंत्री ने बताया कि पशुओं को पकड़ने के लिए बोमा कैप्चरिंग पद्धति का प्रयोग प्रदेश में सफल रहा है। इस पद्धति के जरिए फसलों को होने वाले नुकसान को कम करने के प्रयास किए जा रहे हैं।

प्राकृतिक खेती करने वाले पशुपालकों को मिलेगा अनुदान

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार गौशालाओं का संचालन करने वाले ऐसे पशुपालकों को भी अनुदान का लाभ देगी, जो जैविक और प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देंगे। गोवंश प्राकृतिक खेती में कई तरह से उपयोगी है। गोबर और गोमूत्र से तैयार होने वाले जैविक उत्पाद खेती की लागत कम करने में सहायक हो सकते हैं। उन्होंने किसान संघ से प्रदेश में सहकारी समितियों के गठन की प्रक्रिया को गति देने में सहयोग करने की अपेक्षा की।

अब ऑफिस बॉय से मैनेजर तक को एडमिशन का टारगेट

1500 करोड़ के ग्लोबल स्किल पार्क की 60फीसदी सीटें खाली

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मध्यप्रदेश सरकार के करीब 1500 करोड़ रुपये की लागत से बने संत शिरोमणि रविदास ग्लोबल स्किल पार्क में विद्यार्थियों को प्रवेश के लिए आकर्षित करना प्रबंधन के लिए चुनौती बन गया है। यहां संचालित नौ एडवांस्ड कोर्स की कुल 1800 सीटों में से 1070 अब भी खाली हैं। यानी करीब 60 प्रतिशत सीटों पर प्रवेश नहीं हो पाया है। स्थिति यह है कि अब खाली सीटें भरने के लिए संस्थान के अधिकारियों से लेकर ऑफिस बॉय, ऑफिस असिस्टेंट और मैनेजर तक को विद्यार्थियों के प्रवेश कराने का टारगेट दिया गया है।

इसका खुलासा 30 अक्तूबर 2026 को जारी कार्यालय आदेश से हुआ है। यह आदेश संस्थान की निदेशक (एडमिनिस्ट्रेशन एंड फाइनेंस) रोमा बाजपेयी के हस्ताक्षर से जारी किया गया है। 30 एकड़ क्षेत्र में करीब 1500 करोड़ रुपए की लागत से तैयार संत शिरोमणि रविदास ग्लोबल स्किल पार्क (एसएसआरजीएसपी) की स्थापना का उद्देश्य युवाओं को विश्वस्तरीय तकनीकी प्रशिक्षण देकर रोजगार के बेहतर अवसर उपलब्ध कराना था। दावा किया गया था कि यहां आधुनिक तकनीक और उद्योगों की जरूरत के अनुरूप प्रशिक्षण दिया जाएगा। इसके लिए सिंगापुर के आईटीईएस की मदद से फैकल्टी को प्रशिक्षण देने की बात भी कही गई थी। संस्थान में एडवांस्ड कोर्स की शुरुआत वर्ष 2024 में हुई थी, लेकिन अब भी बड़ी संख्या में सीटें खाली रहना संस्थान के सामने चुनौती को दिखाता है।

ग्लोबल स्किल पार्क में साल में दो बार प्रवेश होते हैं। युवाओं को तकनीकी रूप से दक्ष बनाने के लिए नौ कोर्स तैयार किए गए हैं। प्रत्येक कोर्स में 200 सीटें निर्धारित हैं। एक नवंबर से शुरू होने वाले नए सत्र के लिए पर्याप्त संख्या में विद्यार्थियों के प्रवेश नहीं होने पर संस्थान के उद्देश्य पर ही सवाल खड़े हो रहे हैं। इसमें कई कोर्स में तो 100 सीटें भी नहीं भर पाई हैं। खाली सीटें भरने के लिए अधिकारियों और



एडमिशन के लिए संपर्क और प्रचार प्रसार करें

आदेश में कहा गया है कि सभी अधिकारी-कर्मचारी अपने निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप विद्यार्थियों का प्रवेश सुनिश्चित करने के लिए सक्रिय रूप से काम करें। इसके लिए संभावित विद्यार्थियों से संपर्क स्थापित करने, संस्थान के प्रशिक्षण कार्यक्रमों का प्रचार-प्रसार करने और प्रवेश लेने के इच्छुक युवाओं को प्रक्रिया में सहयोग देने के निर्देश दिए गए हैं। साथ ही सभी को अपने लक्ष्य की प्राप्ति में अपेक्षित योगदान सुनिश्चित करने को कहा गया है। कोर्सवार आंकड़ों पर नजर डालें तो एडवांस्ड एयर कंडीशनिंग एंड रेफ्रिजरेशन (एचवीएसी) में सबसे ज्यादा 139 सीटें खाली हैं। इसके बाद एडवांस्ड मैकेनिकल टेक्नोलॉजी में 138, एडवांस्ड इलेक्ट्रॉनिक्स और एडवांस्ड मेकाट्रॉनिक्स एंड इंडस्ट्रियल रोबोटिक्स में 134-134 सीटें खाली हैं। वहीं, एडवांस्ड सीएनसी एंड प्रिसिजन इंजीनियरिंग और एडवांस्ड इलेक्ट्रिकल टेक्नोलॉजी में सबसे कम 99-99 सीटें खाली हैं।

कर्मचारियों के नाम के साथ अलग-अलग प्रवेश लक्ष्य निर्धारित किए गए हैं। इसमें ऑफिस बॉय, ऑफिस असिस्टेंट, मैनेजर, एग्जीक्यूटिव, कोर्स हेड, ट्रेनर, लाइफ स्किल्स ट्रेनर, टेक्नीशियन, लाइब्रेरियन, प्लेसमेंट ऑफिसर, कम्युनिकेशन एवं ब्रांडिंग विशेषज्ञ, सेंटर हेड और सांकेतिक भाषा दुभाषिए तक शामिल हैं। यानी संस्थान के अलग-अलग विभागों में काम करने वाले कर्मचारियों को भी अब प्रवेश बढ़ाने के लिए काम करना होगा।

15 तक पैरामेडिकल प्रवेश प्रक्रिया पूरी करने के निर्देश

कैंसर से दिल की बीमारी तक इलाज की बढ़ेंगी सुविधाएं, पांच मेडिकल कॉलेजों में खुलेंगे विभाग

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मध्यप्रदेश में स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत बनाने और गंभीर बीमारियों के इलाज की सुविधाओं का विस्तार करने के लिए सरकार ने तैयारियां तेज कर दी हैं। प्रदेश के पांच पुराने मेडिकल कॉलेजों में मेडिकल ऑनकोलॉजी और सर्जिकल ऑनकोलॉजी विभाग विकसित किए जाएंगे। इससे कैंसर मरीजों को बेहतर उपचार सुविधाएं उपलब्ध कराने का रास्ता खुलेगा। वहीं ग्वालियर मेडिकल कॉलेज में हृदय और रक्तवाहिकाओं से जुड़ी जटिल बीमारियों के उपचार के लिए नए विभाग शुरू करने की तैयारी है।

उप मुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल ने मंत्रालय में लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग की विस्तृत समीक्षा बैठक में अधिकारियों को सभी लंबित प्रक्रियाएं तेजी से पूरी करने और निर्धारित समय-सीमा में कार्यों को पूरा करने के निर्देश दिए। बैठक में चिकित्सा शिक्षा के विस्तार, विशेषज्ञ डॉक्टरों की उपलब्धता, मेडिकल कॉलेजों में उन्नत उपचार सुविधाओं, भर्ती और प्रवेश प्रक्रिया सहित विभिन्न विषयों की समीक्षा की गई।



पांच मेडिकल कॉलेजों में कैंसर उपचार की सुविधा

उप मुख्यमंत्री ने प्रदेश के पांच पुराने मेडिकल कॉलेजों में मेडिकल ऑनकोलॉजी और सर्जिकल ऑनकोलॉजी विभाग विकसित करने का काम प्राथमिकता से पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि कैंसर मरीजों को बेहतर और विशेषज्ञ उपचार उपलब्ध कराने के लिए इन विभागों का विकास महत्वपूर्ण है। इसके लिए जरूरी चिकित्सा उपकरणों की उपलब्धता, विशेषज्ञ डॉक्टरों की नियुक्ति और अन्य आधारभूत सुविधाओं की व्यवस्था समय पर सुनिश्चित करने को कहा गया। अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि उपकरणों और मानव संसाधन की जरूरत का आकलन कर सभी आवश्यक प्रक्रियाएं जल्द पूरी करें, ताकि विभागों का संचालन शुरू किया जा सके।

ग्वालियर मेडिकल कॉलेज में बनेंगे तीन नए विभाग

ग्वालियर मेडिकल कॉलेज में भी विशेषज्ञ चिकित्सा सुविधाओं का विस्तार किया जाएगा। उप मुख्यमंत्री ने यहां सीटीवीएस (कार्डियोथोरेसिक एवं वैस्कुलर सर्जरी), इम्यूनोहेमेटोलॉजी और ब्लड ट्रांसफ्यूजन विभाग के सृजन की प्रक्रिया जल्द पूरी करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इन विभागों के सुचारु संचालन के लिए जरूरी पदों का सृजन और स्वीकृति भी समय-सीमा में की जाए। संबंधित विभागीय और प्रशासनिक औपचारिकताओं को प्राथमिकता से पूरा करने के निर्देश दिए गए। स्वास्थ्य संस्थानों में विशेषज्ञ चिकित्सकों की कमी दूर करने के लिए विभागीय स्तर पर नियुक्ति प्रक्रिया तेज की जाएगी। उप मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को भर्ती के लिए आवश्यक विज्ञापन शीघ्र जारी करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि चयन और साक्षात्कार सहित पूरी प्रक्रिया समयबद्ध तरीके से पूरी होनी चाहिए।

ऑटोमैटिक फिटनेस सेंटरों की होगी जांच

ग्वालियर। प्रदेशभर के आरटीओ अब सात दिन में यह रिपोर्ट देंगे कि उनके जिलों में स्थित ऑटोमैटिक फिटनेस सेंटरों पर वाहनों की फिटनेस कितनी नियम कायदों से हो रही है। पिछले तीन माह के वाहनों का डाटा निकालकर रिपोर्ट हर जिले में तैयार की जाएगी। मप्र का परिवहन विभाग यह पूरी कवायद करा रहा है, क्योंकि प्रदेश में होने वाले हादसों में वाहनों के फिट होने के बाद भी या अनफिट वाहन से हादसा होना सामने आता है। प्रदेश में कुल 40 ऑटोमैटिक फिटनेस सेंटर हैं यहां कितने ढंग से फिटनेस हो रही है यह रिपोर्ट में सामने आएगा। ताल में ग्वालियर में शीतला माता मंदिर के गेट पर ट्रक ने 16 लोगों को रौंद दिया और सभी की मौत हो गई। वहीं 42 लोग घायल हुए।

मंत्रालय, सतपुड़ा-विंध्याचल भवन में अब चेहरे से लगेगी हाजिरी

6नवंबर तक सेल्फ रजिस्ट्रेशन अनिवार्य, 3 हजार अधिकारी-कर्मचारियों पर लागू होगी व्यवस्था

भोपाल, दोपहर मेट्रो

भोपाल के मंत्रालय, सतपुड़ा और विंध्याचल भवन में काम करने वाले अधिकारी-कर्मचारियों को अब उपस्थिति दर्ज कराने के लिए सीसीटीवी आधारित फेस रिकग्निशन अटेंडेंस सिस्टम से गुजरना होगा। सरकार ने इस व्यवस्था को लागू करने की तैयारी तेज कर दी है। इसके तहत सभी विभागों को अपने अधीनस्थ अधिकारियों और कर्मचारियों का ऑनलाइन सेल्फ रजिस्ट्रेशन 6 नवंबर 2026 तक अनिवार्य रूप से पूरा कराने के निर्देश दिए गए हैं। ऐसा नहीं करने पर आगामी माह का वेतन अटक सकता है।



सामान्य प्रशासन विभाग के आदेश के अनुसार, मंत्रालय वल्लभ भवन क्रमांक-1, 2 और 3, विंध्याचल भवन और सतपुड़ा भवन सहित संबंधित कार्यालयों में FRAS प्रणाली लागू की जा रही है। कर्मचारियों के सेल्फ रजिस्ट्रेशन में रुचि नहीं लेने पर विभाग ने नाराजगी जताई है और तत्काल प्रक्रिया पूरी कराने के निर्देश दिए हैं।

मोबाइल लिंक या क्यूआर कोड से होगा रजिस्ट्रेशन

कर्मचारियों को सेल्फ रजिस्ट्रेशन के लिए मोबाइल लिंक https://register-mantralaya.urspace.com/ या QR कोड का उपयोग करना होगा। सभी विभागों को निर्धारित समय-सीमा में अपने अधीनस्थ अधिकारियों और कर्मचारियों का रजिस्ट्रेशन पूरा कराने के निर्देश दिए गए हैं। जरूरत पड़ने पर विभागीय PeMT कंसल्टेंट की मदद भी ली जा सकती है।

मप्र टीईटी 2026: 13 या 20 दिसंबर को हो सकती है परीक्षा, शेड्यूल तय

भोपाल । मध्य प्रदेश स्कूल शिक्षा विभाग ने शिक्षक पात्रता परीक्षा (टीईटी) 2026 की समय-सारणी तय कर दी है। विभाग 10 दिसंबर के बाद इस परीक्षा का आयोजन करेगा। परीक्षा आयोजित करने के लिए 13 या 20 दिसंबर की संभावित तिथि मानी जा रही है। स्कूल शिक्षा विभाग ने परीक्षा कराने की जिम्मेदारी माध्यमिक शिक्षा मंडल को सौंपी है। मंडल ने परीक्षा आयोजन से जुड़ी अपनी सभी तैयारियां पूरी कर ली हैं। विभाग अगले दो-तीन दिनों के भीतर अभ्यर्थियों के लिए विस्तृत दिशा-निर्देश जारी करने जा रहा है। माध्यमिक शिक्षा मंडल 16 से 27 नवंबर के बीच डीएड परीक्षा का आयोजन कर रहा है। इसके तुरंत बाद दिसंबर महीने में मंडल टीईटी परीक्षा संपन्न कराएगा।

मेट्रो एंकर

कृषि विश्वविद्यालय ने जारी कीं उड़द व मूंग की तीन उन्नत किस्में

बंपर पैदावार से किसानों की बढ़ेगी आय, रोग प्रतिरोधक क्षमता भी

ग्वालियर/भोपाल, दोपहर मेट्रो

राजमाता विजयाराजे सिंधिया कृषि विश्वविद्यालय ने अंचल और देश के किसानों की आर्थिक स्थिति सुदृढ़ करने तथा दलहन उत्पादन को नई ऊंचाइयों पर ले जाने के लिए मूंग और उड़द की नई उन्नत किस्मों को विकसित किया है। भारत सरकार द्वारा अधिसूचित इन किस्मों में मूंग की आरवीआइएम 750 व आरवीएसएम एक तथा उड़द की आरवीएसयू एक शामिल हैं। कृषि वैज्ञानिकों का मानना है कि इन नई किस्मों के प्रयोग से न केवल प्रति हेक्टेयर पैदावार में उल्लेखनीय वृद्धि होगी, बल्कि फसलें गंभीर रोगों एवं प्रतिकूल मौसम से भी सुरक्षित रहेंगी

मूंग किस्म आरवीआईएम 750 : औसत उत्पादन 1009 किग्रा प्रति हेक्टेयरः मूंग की आरवीआइएम 750 किस्म उत्तर पूर्वी मैदानी क्षेत्रों के लिए विशेष रूप से अनुकूल पाई गई है, जिसकी औसत पैदावार 1009 किग्रा प्रति हेक्टेयर है और यह परीक्षणों में अधिकतम 1217 किग्रा प्रति हेक्टेयर तक उत्पादन देने में सक्षम रही है।



विशेषताएं: यह किस्म मात्र 68.3 दिनों में पककर तैयार हो जाती है। इसके दाने बड़े और आकर्षक होते हैं यानि 100 बीजों का वजन 3.87 ग्राम।

रोग प्रतिरोधकता: यह किस्म पत्ती मरोड़ा वायरस, लीफ रिंकल वायरस, वेब ब्लाइट, सर्कोस्पोरा लीफ स्पाट, एन्थ्रेक्नोज और जीवाणु जनित पत्ती धब्बा रोग के प्रति अत्यधिक प्रतिरोधी है। इसके साथ ही पोड बोरर और फली चूसक कीटों का इस पर न्यूनतम प्रभाव पड़ता है।

765 किग्रा प्रति हेक्टेयर पैदावार

मूंग किस्म आरवीएसएम एक: 63 से 70 दिनों में पकने वाली शीघ्र किस्म : मूंग कीआरवीएसएम एक किस्म की औसत पैदावार 765 किग्रा प्रति हेक्टेयर है, जिसकी उत्पादन क्षमता 585 से 1331 किग्रा प्रति हेक्टेयर तक है।

विशेषताएं: यह 63 से 70 दिनों यानि औसत 67.5 दिन में पकने वाली शीघ्र किस्म है। इसके 100 बीजों का औसत वजन 3.45 ग्राम होता है।

मौसम व रोग प्रतिरोधकता: यह खरीफ तथा गर्मी, दोनों मौसमों के लिए उपयुक्त है। इसमें फसल गिरने और फलियों के फटने की समस्या नहीं होती है। यह पीला मोजेक वायरस और एन्थ्रेक्नोज के प्रति प्रतिरोधी है।

उड़द आवीएसयू एक : प्रति हेक्टेयर 10 क्विंटल तक पैदावार : उड़द की आरवीएसयू एक किस्म काले दाने वाली एक उच्च उपज देने वाली किस्म है, जिसकी औसत पैदावार 10 क्विंटल यानि 1000 किग्रा प्रति हेक्टेयर है। इसके 100 बीजों का वजन 4.1 ग्राम।

विशेषताएं: यह किस्म 73 दिनों में पककर तैयार होती है। जुलाई के द्वितीय से चौथे सप्ताह के बीच बोने पर यह भारी बारिश के प्रभाव से बचने में सक्षम है।

रोग प्रतिरोधकता: यह खरीफ सीजन के लिए अत्यंत उपयुक्त है और मूंगबीन पीला मोजेक वायरस, पाउडरी फफूंदी, एन्थ्रेक्नोज तथा रूट राट रोगों के प्रति मध्यम प्रतिरोधी है।

कृषि विश्वविद्यालय ने मूंग की दो व उड़द की एक किस्म के उन्नत बीजों का तैयार किया है। दोनों ही फसलों को पूरे मध्यप्रदेश के मौसम के हिसाब से विकसित किया गया है। जिससे इनसे अधिक पैदावार मिलती है और रोग प्रतिरोधी होने से किसानों को नुकसान भी नहीं होता। साथ ही शासन की सब्सिडी वाली योजनाओं में इसका लाभ मिलता है। - **डॉ. आरए कौशिक, डायरेक्टर रिसर्च, राजमाता विजयाराजे कृषि विवि**

कांग्रेस की नई रणनीति

राजनीति में केवल विरोध का स्वर बुलंद करना पर्याप्त नहीं होता, बल्कि उसे जनसमर्थन में बदलने की क्षमता भी जरूरी होती है। सड़कों पर आंदोलन से लेकर चुनावी मैदान तक किसी राजनीतिक दल की असली परीक्षा इसी बात से होती है कि वह अपने मुद्दों को जनता के सरोकारों से कितना जोड़ पाता है। मुख्य चुनाव आयुक्त को हटाने और मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) में कथित गड़बड़ियों के मुद्दे पर आंदोलन कर रही कांग्रेस अब अपनी रणनीति में बदलाव करती दिखाई दे रही है। पार्टी ने फिलहाल विरोध प्रदर्शनों की बजाय चुनावी राज्यों में प्रचार और संगठन को मजबूत करने को प्राथमिकता दी है। इसी रणनीति के तहत लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी 4 नवंबर को पंजाब में रैली करेंगे। इसके बाद उनका उत्तर प्रदेश दौरा भी प्रस्तावित है। कांग्रेस नेतृत्व का जोर चुनावी राज्यों में राजनीतिक सक्रियता बढ़ाने और कार्यकर्ताओं को एकजुट करने पर है। सोमवार को पार्टी नेतृत्व ने उत्तराखंड कांग्रेस के नेताओं के साथ चर्चा की, जबकि कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने भी राहुल गांधी से मुलाकात की। इन बैठकों को आगामी चुनावी चुनौतियों की तैयारी के लिहाज से महत्वपूर्ण माना जा रहा है। हालांकि, कांग्रेस ने एसआईआर और मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ अपने विरोध को समाप्त नहीं किया है। पार्टी 26 नवंबर को संविधान दिवस के अवसर पर दिल्ली में बड़े प्रदर्शन की तैयारी कर रही है। इसके माध्यम से एसआईआर से जुड़ी कथित अनियमितताओं को मताधिकार, संवैधानिक अधिकारों और लोकतांत्रिक संस्थाओं की जवाबदेही के व्यापक सवालों से जोड़ने की कोशिश होगी। कांग्रेस की यह रणनीति दो मोर्चों पर अपनी राजनीतिक सक्रियता बनाए रखने का प्रयास है। एक ओर चुनावी मुकाबलों में अपनी जमीन मजबूत करना और दूसरी ओर लोकतांत्रिक संस्थाओं की निष्पक्षता से जुड़े सवालों को राष्ट्रीय विमर्श में बनाए रखना। विपक्षी एकजुटता बनाए रखना, संगठन में नई ऊर्जा भरना और विरोध के मुद्दों को आम मतदाता तक पहुंचाना आसान नहीं होगा। कांग्रेस के सामने असली चुनौती आंदोलन की ऊर्जा को संगठनात्मक मजबूती और जनविश्वास में बदलने की है। आने वाले समय में उसकी रणनीति की सफलता इसी कसौटी पर परखी जाएगी।

युवाओं में जीवन से पलायन की खतरनाक प्रवृत्ति पर गंभीर चिंतन जरूरी

मनोज कुमार अग्रवाल
स्तंभकार



युवाओं में आत्महत्या (सुसाइड) और जीवन से पलायन करने की बढ़ती प्रवृत्ति आज एक अत्यंत गंभीर और चिंताजनक सामाजिक और मानसिक स्वास्थ्य मुद्दा बन चुकी है। आधुनिक जीवनशैली, अत्यधिक दबाव और सामाजिक बदलावों ने युवाओं को एक ऐसे चौराहे पर खड़ा कर दिया है जहाँ वे कई बार दिशाहीन और असहाय महसूस करने लगते हैं।विश्व स्वास्थ्य संगठन और अंतरराष्ट्रीय संगठनों के वैश्विक डेटा के अनुसार, पूरी दुनिया में हर साल लगभग 7,20,000 से अधिक लोग आत्महत्या से अपनी जान गंवाते हैं। दुनिया में हर 40 सेकंड में लगभग एक व्यक्ति आत्महत्या के कारण मर जाता है। 15 से 29 वर्ष के युवाओं के बीच दुनिया भर में मौत का यह चौथा सबसे बड़ा कारण बन चुका है। विश्व स्वास्थ्य संगठन का अनुमान है कि हर एक सफल आत्महत्या के पीछे कम से कम 20 या उससे अधिक बार आत्महत्या के प्रयास किए जाते हैं। दुनिया भर में होने वाली कुल आत्महत्याओं का लगभग 73% से 77% हिस्सा निम्न और मध्यम आय वाले देशों में होता है, जिसमें भारत भी शामिल है। भारत सरकार के नेशनल क्राइम रिकॉर्ड्स ब्यूरो की नवीनतम रिपोर्ट के अनुसार, भारत में हर साल लगभग 1.70 लाख से अधिक लोग आत्महत्या करते हैं।



वर्ष 2024 में भारत में कुल 1,70,746 लोगों ने आत्महत्या की, जबकि 2023 में यह संख्या 1,71,418 थी। भारत में प्रति 1,00,000 आबादी पर आत्महत्या की दर 12.2 है। कुल मामलों में पुरुषों की संख्या लगभग 73.5% है, जिसमें दिहाड़ी मजदूर और छात्र सबसे संवेदनशील समूहों में शामिल हैं। महाराष्ट्र, तमिलनाडु और मध्य प्रदेश में देश की कुल आत्महत्याओं के करीब एक-तिहाई मामले दर्ज होते हैं। अब आपको अक्टूबर माह के अंतिम दिन अख़बार की सुरखी बने सुसाइड मामलों की बानगी से अवगत कराते हैं ताकि आप आत्महत्या की बढ़ती घटनाओं को समझें पुणे से एक खौफनाक धटना सामने आई 30 अक्टूबर को एक महिला ने अपने 6 साल के बेटे के साथ 18वीं मंजिल से छलांग लगाकर जान दे दी। यह घटना एक हाई-प्रोफाइल सोसायटी में फुटेज में महिला अपने बेटे के साथ 18वीं मंजिल पर जाती दिखाई दे रही है पुलिस आत्महत्या के पीछे के कारणों की जांच कर रही है। मामला पुणे के पिंपरी-चिंचवड़ शहर के थेरगांव वाकड इलाके में सिग्नेचर पार्क नाम की एक हाई-प्रोफाइल सोसायटी का है, यहां 33 साल की एकता भांगड ने अपने 6 साल के बेटे माधव भांगड के साथ इमारत की 18वीं मंजिल से छलांग लगाकर आत्महत्या कर ली। जानकारी के मुताबिक, एकता भांगड अपने पति मनोज भांगड और बेटे माधव के साथ पिछले कुछ सालों से इस सोसायटी में रह रही थी जानकारी मिलते ही वाकड पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची और पंचनामा भरकर आगे की जांच शुरू की। मृतक महिला का परिवार मूल रूप से राजस्थान का रहने वाला है। वे पिछले दो सालों से इस सोसायटी की सातवीं मंजिल पर रह रहे थे। मृतक महिला का पति मनोज भांगड यरवदा स्थित एक आईटी कंपनी में काम करता है।

मध्य प्रदेश के शिवपुरी जिले से ऐसी हृदयविदारक घटना सामने आई है, जिसने पूरे प्रदेश को झकझोर कर रख दिया है। यहां दो सगी बहनों ने अलग-अलग जगहों पर अपने बच्चों के साथ कुएं में कूदकर जान दे दी। पहली घटना में पति की मौत के सदमे से गुजर रही 8 महीने की गर्भवती महिला ने अपने बेटे के साथ जान दी, जबकि कुछ घंटे बाद उसकी बड़ी बहन ने भी अपने तीन बच्चों के साथ कुएं में छलांग लगा दी। इन घटनाओं में दो बहनों और चार मासूम बच्चों समेत कुल 6 लोगों की मौत हो गई, जबकि गर्भ में पल रहे शिशु की भी जान चली गई।

इसी तरह राजस्थान की राजधानी जयपुर से इस वक्त एक हादसे में पूर्णिमा यूनिवर्सिटी की छठी मंजिल से एक छात्रा कूद गई है। छात्रा के कूदने से यूनिवर्सिटी में हड़कंप मच गया है। प्रशासन ने इलाके को सील कर जांच शुरू कर दी है। इस हादसे के बाद यूनिवर्सिटी को फिलहाल बंद कर दिया है। पूर्णिमा यूनिवर्सिटी से छात्रा से कूदने का एक सीसीटीवी वीडियो भी सामने आया है। इस वीडियो में छात्रा छत की छठी मंजिल पर बिल्कुल किनारे बैठी नजर आ रही है। पूर्णिमा यूनिवर्सिटी की छठी मंजिल से कूदने वाली छात्रा की पहचान यशस्वी रोहिला के रूप में हुई है। एमबीए सेकंड ईयर की स्टूडेंट है। बताया जाता है कि यशस्वी जयपुर के गुर्जर की थड़ी इलाके के प्रेम नगर की रहने वाली है। शिवदासपुरा थाना की पुलिस मौके पर जांच में जुटी है।

यह आंकड़े दर्शाते हैं कि मानसिक स्वास्थ्य और आत्महत्या रोकथाम पर वैश्विक और राष्ट्रीय स्तर पर बड़े बदलावों की तत्काल आवश्यकता है।

भारत सरकार देश में आत्महत्या की बढ़ती वारदातों को रोकने और मानसिक स्वास्थ्य में सुधार के लिए बहु-स्तरीय प्रयास कर रही है। सरकार ने इसके लिए कानूनी बदलाव, डिजिटल तकनीक और जमीनी स्तर पर स्वास्थ्य ढांचे को मजबूत किया है।

सरकार द्वारा कुछ खास कदम उठाए जा रहे हैं । भारत सरकार के स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा देश की पहली राष्ट्रीय आत्महत्या रोकथाम रणनीति लागू की गई है। इसका मुख्य उद्देश्य वर्ष 2030 तक देश में आत्महत्या मृत्यु दर में 10% की कमी लाना है।

इसके तहत अगले कुछ वर्षों में सभी शिक्षण संस्थानों में मानसिक कल्याण पाठ्यक्रम को शामिल करने और देश के सभी जिलों में मनोरोग ओपीडी स्थापित करने का लक्ष्य रखा गया है।

दूरदराज के क्षेत्रों तक मुफ्त और गोपनीय मानसिक परामर्श पहुँचाने के लिए सरकार ने डिजिटल तकनीक का बड़े पैमाने पर विस्तार किया हैदेश भर के 1.83 लाख से अधिक आयुष्मान आरोग्य मंदिरों (प्राथमिक स्वास्थ्य और कल्याण केंद्रों) में बुनियादी मानसिक स्वास्थ्य जांच और काउंसलिंग सेवाओं को एकीकृत किया गया है।समाज में मानसिक स्वास्थ्य को लेकर फैले अंधविश्वास, शर्म (Stigma) और रूढ़िवादिता को खत्म करने के लिए सरकार ने सामुदायिक स्तर पर जागरूकता अभियान शुरू किए हैं, ताकि लोग समय रहते मदद मांगने के लिए आगे आ सकें।इन व्यापक सरकारी रणनीतियों में केवल स्वास्थ्य मंत्रालय ही नहीं, बल्कि शिक्षा, कृषि, महिला एवं बाल विकास और सूचना एवं प्रसारण जैसे मंत्रालयों को भी एक साथ जोड़ा गया है ताकि युवाओं, किसानों और हर संवेदनशील वर्ग को सुरक्षा घेरा दिया जा सके।

-यह लेखक के अपने विचार हैं।

दान की महिमा और मानव जीवन को सार्थकता देकर महान बनाने का पवित्र मार्ग

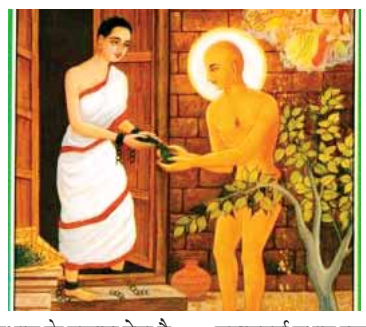
कांतिलाल मांडोत
स्तंभकार



मनुष्य के जीवन की वास्तविक सार्थकता केवल धन कमाने और सुख-सुविधाओं का संग्रह करने में नहीं, बल्कि अपने अर्जित संसाधनों से दूसरों के जीवन में खुशियां लाने में है। भारतीय संस्कृति और धर्म परंपरा में दान को हमेशा सर्वोच्च स्थान दिया गया है। दान केवल धन या वस्तु देने का नाम नहीं, बल्कि करुणा, उदारता, परोपकार और मानवीय संवेदनाओं की अभिव्यक्ति है। एक प्रसिद्ध लोकोक्ति है- भीख में से भीख दे, तीन लोक जीत ले। इसका भाव यही है कि जिसके पास स्वयं बहुत कम है, वह भी अपनी सामर्थ्य के अनुसार किसी जरूरतमंद की सहायता कर सकता है। दान का मूल्य वस्तु की कीमत से नहीं, बल्कि देने वाले की भावना से निर्धारित होता है।

संतों और महापुरुषों ने कहा है कि धन की तीन गतियां होती हैं- दान, भोग और नाश। जो धन दूसरों के काम आता है, वही धन सार्थक होता है। जो व्यक्ति न स्वयं उसका सदुपयोग करता है और न किसी जरूरतमंद को देता है, उसका धन अंततः नष्ट हो जाता है। इसलिए जीवन में संचय के साथ सदुपयोग और परोपकार का भाव भी आवश्यक है। अनुभव बताता है कि केवल संग्रह करने से मनुष्य को स्थायी संतोष नहीं मिलता, जबकि दूसरों के साथ बांटने से आत्मिक आनंद और समाज में सम्मान प्राप्त होता है। यही कारण है कि भारतीय चिंतन में कहा गया है कि कमाई अपने हाथों से करो और दान हजार हाथों से करो। प्रकृति भी हमें देने का संदेश देती है। सूर्य बिना किसी भेदभाव के प्रकाश देता है, वायु सभी को जीवन प्रदान करती है और नदियां अपना जल दूसरों के लिए बहाती हैं। वृक्ष स्वयं धूप और वर्षा सहन करके दूसरों को फल, छाया और प्राणवायु देते हैं। प्रकृति का प्रत्येक तत्व हमें सिखाता है कि जीवन का उद्देश्य केवल लेना नहीं, बल्कि देना भी है। मनुष्य प्रकृति से जीवनभर अनेक उपहार प्राप्त करता है। इसलिए उसके प्रति कृतज्ञता प्रकट करने का एक मार्ग परोपकार और दान भी है। जैसे किसान खेत में बीज डालता है और कुछ समय बाद वही बीज अनेक गुना होकर लौटता है, वैसे ही निस्वार्थ भाव से किया गया दान भी जीवन में सद्भाव और पुण्य का आधार बनता है। दान करते समय भावना की पवित्रता सबसे अधिक महत्वपूर्ण है। दान का उद्देश्य किसी पर उपकार जताना, अपना नाम चमकाना अथवा प्रसिद्धि प्राप्त करना नहीं होना चाहिए। वास्तविक दानी वही है जो बिना किसी अपेक्षा के जरूरतमंद की सहायता करे। दान लेने वाले के प्रति सम्मान और विनम्रता का भाव रखना चाहिए। किसी की मजबूरी का प्रदर्शन करना या दान देकर उसका अपमान करना दान की मूल भावना के विपरीत है। सेवा का सच्चा आनंद तभी मिलता है जब देने वाले के मन में अहंकार नहीं, बल्कि करुणा और आत्मीयता हो।

दान के अनेक स्वरूप हैं। ज्ञानदान, अभयदान, वस्त्रदान, औषधदान, आवासदान और आहारदान सभी का अपना महत्व है। इनमें आहारदान को विशेष रूप से महादान माना गया है, क्योंकि भोजन जीवन का आधार है। भूखे व्यक्ति को भोजन कराना केवल उसकी भूख मिटाना नहीं, बल्कि उसे जीवन जीने की शक्ति देना है। धन, वस्त्र और अन्य सुविधाएं बाद में भी प्राप्त हो सकती हैं, लेकिन भूख की पीड़ा तत्काल भोजन मांगती है। इसलिए किसी जरूरतमंद को भोजन कराना मानवीय सेवा का अत्यंत महत्वपूर्ण कार्य है।



गौतम बुद्ध से जुड़ा एक प्रसंग दान की भावना को सुंदर ढंग से समझाता है। एक दिन कुछ बालक खेल रहे थे। बुद्ध वहां से गुजरे तो एक बालक ने उनसे कहा कि बाबा, दान लो। बुद्ध ने अपनी झोली फैला दी और बालक ने उसमें रेत डाल दी। शिष्य ने आश्चर्य से पूछा कि आपने रेत क्यों स्वीकार की? बुद्ध ने समझाया कि रेत का कोई विशेष मूल्य नहीं, लेकिन बालक के मन में दान करने की भावना जागी है। यदि मैं उसका दान अस्वीकार कर देता तो उसकी उदारता का भाव कमजोर हो सकता था। आज वह रेत दे रहा है, संभव है कि कल अपनी सामर्थ्य के अनुसार भोजन भी दान करे। इस प्रसंग से स्पष्ट होता है कि दान की शुरुआत छोटी भावना से होती है, लेकिन उसका प्रभाव बहुत व्यापक हो सकता है।

जैन धर्म में आहारदान का विशेष आध्यात्मिक महत्व है। श्रावक के बारह व्रतों में अतिथि संविभाग व्रत भी शामिल है। इसका आशय है कि गृहस्थ अपने भोजन में से साधु-संतों और सुपात्रों के लिए भी हिस्सा निकाले। जैन परंपरा में मुनियों को विधिपूर्वक आहारदान देना पुण्यकारी माना गया है। मान्यता है कि सुपात्रदान से कर्मों की निर्जरा होती है और आत्मकल्याण का मार्ग प्रशस्त होता है। भगवान महावीर की शिक्षाओं में त्याग, संयम, अहिंसा और जीवमात्र के प्रति करुणा का जो संदेश मिलता है, उसमें दान की भावना भी महत्वपूर्ण स्थान रखती है। अन्य धर्मों में भी भोजन बांटने की परंपरा रही है। ऋग्वेद में अकेले भोजन करने की प्रवृत्ति को उचित नहीं माना गया है। गीता में भी दूसरों को भोजन कराए बिना केवल अपने लिए भोजन करने वालों के प्रति चेतावनी दी गई है। इससे स्पष्ट होता है कि भोजन बांटना किसी एक धर्म या संप्रदाय तक सीमित नहीं, बल्कि संपूर्ण मानवता का साझा आदर्श है। आज के समय में जब समाज में आर्थिक असमानता और जरूरतमंदों की समस्याएं दिखाई देती हैं, तब दान की महत्ता और बढ़ जाती है। प्रत्येक परिवार अपनी सामर्थ्य के अनुसार किसी भूखे को भोजन करा सकता है, किसी जरूरतमंद विद्यार्थी की सहायता कर सकता है अथवा किसी असहाय व्यक्ति के लिए उपयोगी वस्तुएं उपलब्ध करा सकता है। दान के लिए धनवान होना आवश्यक नहीं, उदार हृदय होना आवश्यक है।

अंततः जीवन में धन का वास्तविक महत्व उसके संग्रह में नहीं, बल्कि उसके सदुपयोग में है। जो भोजन हम अकेले खा सकते हैं, उसमें से किसी भूखे का हिस्सा निकालना ही सच्ची मानवता है। दान मनुष्य को विनम्र बनाता है, समाज में प्रेम बढ़ाता है और आत्मा को संतोष प्रदान करता है। इसलिए अपनी आय, सामर्थ्य और परिस्थिति के अनुसार दान को जीवन का हिस्सा बनाना चाहिए। विशेषकर आहारदान के माध्यम से किसी की भूख मिटाना सबसे सहज और पुण्यकारी सेवा है। दान से हाथ खाली नहीं होते, बल्कि हृदय समृद्ध होता है। यही दान की महिमा है और यही मानव जीवन का सच्चा कल्याण मार्ग है।

-यह लेखक के अपने विचार हैं।

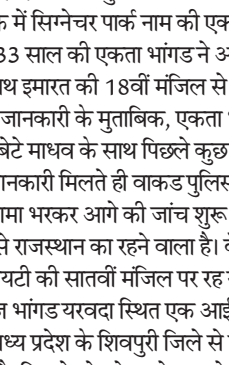
सुविचार

किस्मत सिर्फ मौका देती है,
लेकिन मेहनत पूरी दुनिया
को चौंका देती है ।

-अज्ञात

निशाना

इक वृक्ष नहीं, फलदार मिला...



रूपेन्द्र गौर

सम्मान मिला, सत्कार मिला।
सोचा न कभी, वो प्यार मिला।
हत्या की' खबर, चोरी की' खबर,
खबरों से' भरा, अखबार मिला।
सब लूट लिया, सब नोंच लिया,
इक वृक्ष नहीं, फलदार मिला।
बलिदान दिया, कुर्बान हुए,
तब जाके' कहीं, अधिकार मिला।
मंदिर में' कभी, मस्जिद में' कभी,
वो शख्स मगर, लाचार मिला।
माँ बाप न रिश्तेदार मिले,
कुत्ता वो' बड़ा, सुपियार मिला।
राशन भी' मिला, पैसे भी' मिले,
जीने का' यही, आधार मिला।
सबने ही' किया, आनंद मगर,
मम्मी को' नहीं, इतवार मिला।
समान हटा, तो 'गौर' किया,
इक जंग लगा, औजार मिला।

हेल्थ अपडेट

खाना खाने के तुरंत बाद नहाने की आदत का हो सकता है शरीर पर विपरीत असर!

सुबह नाश्ता करने के तुरंत बाद नहाकर काम पर निकलना कई लोगों की रोजमर्रा की आदत है। लेकिन क्या खाना खाने के तुरंत बाद नहाना सेहत के लिए नुकसानदायक हो सकता है? अक्सर कहा जाता है कि भोजन के तुरंत बाद नहाने से पाचन क्रिया प्रभावित होती है और शरीर का रक्त प्रवाह पेट से हटकर त्वचा की ओर चला जाता है। हालांकि, मेडिकल साइंस में इस दावे को साबित करने वाले ठोस प्रमाण उपलब्ध नहीं हैं।



जैसे ही हम खाना खाना शुरू करते हैं, शरीर में पाचन की प्रक्रिया सक्रिय हो जाती है। मुंह में मौजूद लार भोजन को तोड़ने में मदद करती है। इसके बाद खाना पेट में पहुंचता है, जहां पाचक रस उसे पचाने का काम करते हैं। फिर भोजन छोटी आंत में जाता है, जहां अधिकांश पोषक तत्व शरीर में अवशोषित होते हैं। इस पूरी प्रक्रिया के दौरान पेट और आंतों में रक्त का प्रवाह बढ़ जाता है, जिससे पाचन अंगों को काम करने में मदद मिलती है। खाने के बाद नहाने से ज्यादा ध्यान पानी के तापमान पर देना जरूरी है। बहुत गर्म पानी से नहाने पर त्वचा के पास की रक्त वाहिकाएं फैल सकती हैं। इससे कुछ लोगों को चक्कर आने या ब्लड प्रेशर कम होने की परेशानी हो सकती है। खासकर जिनका रक्तचाप पहले से कम रहता है या शरीर में पानी की कमी है, उन्हें सावधानी बरतनी चाहिए। अगर भोजन के बाद पेट भारी लगता है या अपच होती है तो हर बार इसके लिए नहाने को जिम्मेदार नहीं माना जा सकता। इसके पीछे कई वजहें हो सकती हैं। जैसे जरूरत से ज्यादा भोजन करना, बहुत तेजी से खाना खाना, एसिडिटी या गैस की समस्या, पहले से मौजूद पाचन संबंधी परेशानी आदि ।

डॉक्टरों के मुताबिक, खाना खाने के बाद नहाने के लिए 30 मिनट या एक घंटे इंतजार करने का कोई वैज्ञानिक रूप से तय नियम नहीं है। यदि आपने हल्का नाश्ता किया है और सामान्य महसूस कर रहे हैं तो तुरंत नहाने में नुकसान का कोई प्रमाण नहीं है। हालांकि, भारी भोजन के बाद कुछ समय रुकना आरामदायक हो सकता है। विशेषज्ञों की सलाह है कि नहाने के समय को लेकर बेवजह चिंता करने की जरूरत नहीं है। लेकिन बार-बार अपच, पेट में तेज दर्द या उल्टी की समस्या हो तो इसे केवल नहाने से जोड़कर न देखें। ऐसी स्थिति में डॉक्टर से सलाह लेकर जांच कराना जरूरी है।

वायरल कंटेंट

रात 2:25 बजे ट्रेन में पहुंची महिला, TTE बन टिकट मांगने लगी, ID मांगते ही हुआ हंगामा!

ट्रेन में सफर के दौरान टिकट चेक करने आने वाले टीटीई को देखकर यात्री अपना टिकट निकाल लेते हैं, लेकिन अगर कोई अनजान व्यक्ति टीटीई बनकर टिकट मांगने लगे तो मामला गंभीर हो सकता है। ऐसा ही एक वीडियो इन दिनों सोशल मीडिया पर चर्चा में है। इसमें एक महिला कथित तौर पर फर्जी टीटीई बनकर ट्रेन में यात्रियों के टिकट चेक करती नजर आ रही है। मामला उस समय गरमा गया, जब एक युवक ने महिला से उसका पहचान पत्र दिखाने को कह दिया। इसके बाद महिला और युवक के बीच बहस शुरू हो गई। वीडियो में महिला युवक को गुंडा-मवाली तक कहती सुनाई देती है।



सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो के साथ दी गई जानकारी के मुताबिक, यह घटना मुंबई से बिहार जा रही एक ट्रेन की है। रात करीब 2 बजकर 25 मिनट पर महिला ट्रेन के अंदर यात्रियों के पास पहुंचती है और उनसे टिकट दिखाने के लिए कहती है। महिला का अंदाज देखकर शुरुआत में यात्रियों को शक नहीं होता। आमतौर पर रेलवे कर्मचारी रात में भी टिकटों की जांच करते हैं, इसलिए यात्री अपना टिकट दिखाने लगते हैं। लेकिन इसी दौरान एक युवक को महिला की पहचान पर संदेह होता है। उसे शक होता है कि महिला वास्तव में रेलवे की कर्मचारी है या फिर टीटीई बनकर यात्रियों से पैसे वसूलने की कोशिश कर रही है।

सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल: यह वीडियो एक्स पर @ChapraZila नाम के अकाउंट से साझा किया गया है। वीडियो सामने आने के बाद सोशल मीडिया पर लोगों की प्रतिक्रियाएं आने लगीं। कई यूजर्स ने मामले की जांच और महिला के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। वहीं कुछ लोगों ने ट्रेन में सफर करने वाले यात्रियों को सावधान रहने की सलाह दी। एक यूजर ने दावा किया कि बिहार जाने वाली कई ट्रेनों में इस तरह के लोग देखने को मिलते हैं। उसने अपने सफर का अनुभव साझा करते हुए बताया कि उसका सामना भी ऐसे लोगों से हो चुका है। वहीं एक अन्य यूजर ने मजाकिया अंदाज में लिखा- 'बिहारियों को डरा रही है।'

हालांकि, वायरल वीडियो में महिला की वास्तविक पहचान और उसके रेलवे कर्मचारी होने या न होने की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं हुई है।

टेक्नो अपडेट

पानी और नमी से सुरक्षित नहीं टाइप सी केबल तो हो सकता हैं चार्जर को नुकसान

आजकल स्मार्टफोन, लैपटॉप, टैबलेट और दूसरे इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों को चार्ज करने के लिए Type-C केबल का इस्तेमाल तेजी से बढ़ा है। ज्यादातर लोग केबल खरीदते समय उसकी लंबाई, कीमत और चार्जिंग की गति पर ध्यान देते हैं, लेकिन यह नहीं देखते कि वह पानी और नमी से कितनी सुरक्षित है। यही लापरवाही कभी-कभी महंगी पड़ सकती है। केबल में नमी पहुंचने से चार्जिंग में परेशानी आ सकती है और फोन या चार्जर को भी नुकसान हो सकता है।



किसी केबल की पानी और धूल से सुरक्षा जानने के लिए उसकी आईपी रेटिंग देखना जरूरी है। यह अंतरराष्ट्रीय मानकों के आधार पर तय होती है। इसमें पहला अंक धूल और दूसरा अंक पानी से बचाव की क्षमता बताता है। मसलन, IP67 रेटिंग का मतलब है कि संबंधित उपकरण तय परीक्षण की परिस्थितियों में एक मीटर गहरे पानी में 30 मिनट तक सुरक्षित रह सकता है। वहीं IP68 रेटिंग इससे अधिक पानी के बचाव का संकेत देती है, लेकिन इसकी वास्तविक सीमा निर्माता द्वारा बताई गई शर्तों पर निर्भर करती है। ध्यान रखें कि यह रेटिंग पूरी केबल पर लागू है या केवल उसके किसी हिस्से पर, इसकी जानकारी जरूर जांचें। सिर्फ पैकिंग पर वॉटर रेसिस्टेंट लिखा होना पर्याप्त नहीं है। पानी से बचाव वाली केबल के जोड़ और कनेक्टर सामान्य केबल से अलग बनाए जाते हैं। इनमें कनेक्टर के आसपास सिलिकॉन रबर की सील लगाई जाती है, ताकि पानी अंदर न जा सके। कुछ केबल में विशेष रबर की पट्टी और कसने वाले छल्ले भी होते हैं। महंगी केबल में पेंच से कसने की व्यवस्था भी मिल सकती है। इससे जोड़ मजबूत रहता है और पानी के प्रवेश की आशंका कम होती है।

केबल भीग जाए तो क्या करें: अगर केबल का कनेक्टर पानी में भीग गया है तो उसे तुरंत चार्जर और फोन से अलग कर दें। उसे सूखी और हवादार जगह पर प्राकृतिक तरीके से सूखने दें। नमी पूरी तरह खत्म होने तक इस्तेमाल न करें। जरूरत पड़ने पर निर्माता की सलाह लें। केबल को सुखाने के लिए हेयर ड्रायर या तेज गर्म हवा का इस्तेमाल न करें। उसे चावल के डिब्बे में डालना भी सही तरीका नहीं है। इससे छोटे कण कनेक्टर में फंस सकते हैं। दोबारा इस्तेमाल करने से पहले कनेक्टर पर जंग, गंदगी या खराबी की जांच करें।

श्रीराम के स्वागत में सजा विद्यालय, भरत मिलाप और राज्याभिषेक ने मोहा मन

भरत मिलाप से राज्याभिषेक तक जीवंत हुए रामायण के प्रसंग, जय श्रीराम के जयकारों से गूंजा शहर

गंजबासौदा। दोपहर मेट्रो

भगवा साफे पहने विद्यार्थी, हाथों में लहराते ध्वज, गूंजते जय श्रीराम के जयकारे और जगह-जगह होती पुष्पवर्षा। शहर की सड़कों पर निकली शोभायात्रा का नजारा ऐसा था, मानो त्रेतायुग की अयोध्या एक बार फिर जीवंत हो उठी हो। भगवान श्रीराम, माता सीता, लक्ष्मण और हनुमानजी के स्वरूप में सजे विद्यार्थियों ने रामभक्ति और भारतीय संस्कृति की अनुपम छटा बिखेरी। अवसर था सुभाष निकेतन हायर सेकेंडरी स्कूल एवं माय स्कूल परिवार के 15वें भव्य दीपावली उत्सव का।

मंगलवार को कार्यक्रम का शुभारंभ सिद्धेश्वरी मंदिर, रेस्ट हाउस से निकली शोभायात्रा के साथ हुआ। पारंपरिक वेशभूषा



में सजे विद्यार्थी अनुशासित कतारों में आगे बढ़े। नगरवासियों ने जगह-जगह पुष्पवर्षा कर स्वागत किया। शोभायात्रा विद्यालय पहुंची तो दीपमालाओं से सजे परिसर में अयोध्या जैसा वातावरण दिखाई दिया।

कार्यक्रम का विशेष आकर्षण भरत मिलाप रहा। भरतजी के स्वरूप में सजे विद्यार्थी ने मुख्य द्वार पर भगवान श्रीराम को चरण पादुकाएं अर्पित कर भ्रातृप्रेम और त्याग का प्रसंग जीवंत कर दिया। इसके बाद श्रीराम और माता सीता को सुसज्जित राजसिंहासन पर विराजमान कराया गया। वेदांत आश्रम के महंत हरिहर दास महाराज ने गुरु वशिष्ठ की भूमिका निभाते हुए श्रीराम को राजमुकुट पहनाया, वहीं नगर पालिका अध्यक्ष शशि अनिल यादव ने माता सीता को मुकुट धारण कराया।

महंत हरिहर दास महाराज ने कहा कि रामराज्य केवल शासन व्यवस्था नहीं, बल्कि सत्य, धर्म, न्याय, सेवा, त्याग और मर्यादा पर आधारित आदर्श जीवन व्यवस्था है। बच्चों को आधुनिक शिक्षा के साथ भारतीय संस्कृति और महापुरुषों के जीवन मूल्यों से परिचित कराना भी जरूरी है। नगर पालिका अध्यक्ष शशि अनिल यादव ने कहा कि शिक्षा के साथ संस्कारों का समावेश बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की मजबूत नींव है। भगवान श्रीराम और माता सीता का जीवन आदर्शों, त्याग, धैर्य और मर्यादा की प्रेरणा देता है। विद्यालय संचालक अखिलेश श्रीवास्तव एवं समस्त विद्यालय परिवार के प्रयासों, शिक्षकों की मेहनत और विद्यार्थियों की प्रस्तुतियों से आयोजन भव्य बना। उल्लेखनीय है कि विद्यालय परिवार पिछले 15 वर्षों से भगवान श्रीराम के अयोध्या आगमन की स्मृति में यह दीपावली उत्सव आयोजित कर नई पीढ़ी को भारतीय संस्कृति और संस्कारों से जोड़ रहा है।

प्रोफेसर राजपूत ऑब्जर्वर लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड से सम्मानित

नरसिंहपुर। जिले की प्रतिभा के रूप में युवाओं के लिए प्रेरणा स्रोत प्रोफेसर दिवाकर सिंह राजपूत को ऑब्जर्वर लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड 2026



का सम्मान प्रदान किया गया है। ऑब्जर्वर पीस फाउण्डेशन वाराणसी उत्तर प्रदेश द्वारा प्रोफेसर राजपूत को ऑब्जर्वर लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड 2026 का सम्मान शिक्षा के क्षेत्र में उनके विशेष योगदान एवं उपलब्धियों के लिए प्रदान किया गया है. पूर्व में उनको लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड, मेन ऑफ द ईयर अवार्ड, टीचर एक्सीलेंस अवार्ड आदि कई अन्य अवार्ड से सम्मानित किया जा चुका है।

न्यूज विंडो

शासकीय महाविद्यालय में युवा उत्सव की धूम, सुरों और तर्कों से गूंजा परिसर



तेंदूखेड़ा। शासकीय महाविद्यालय तेंदूखेड़ा में सोमवार 3 नवंबर को युवा उत्सव के तहत प्रतिभा का महासंगम देखने को मिला। कॉलेज परिसर विद्यार्थियों के सुर, ताल और तर्कों से गूंज उठा। महाविद्यालय ने विद्यार्थियों की रचनात्मकता और अभिव्यक्ति को मंच देने के लिए एकल गायन, समूह गायन और वाद-विवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया, जिसमें विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। एकल गायन प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने एक से बढ़कर एक प्रस्तुतियां दीं। अपनी मधुर और सुरीली आवाज से कवि यादव ने सभी का दिल जीतते हुए प्रथम स्थान प्राप्त किया। वहीं समूह गायन में एकता और लय का बेहतरीन नमूना पेश करते हुए हर्ष यादव और उनके समूह ने प्रथम स्थान पर कब्जा जमाया। उनकी प्रस्तुति पर सभागार तालियों से गूंज उठा वाद-विवाद प्रतियोगिता में युवाओं के विचारों में जोश और तर्कों में धार देखने को मिली। विभिन्न समसामयिक विषयों पर विद्यार्थियों ने बेबाकी से अपने विचार रखे। अपने तार्किक, संतुलित और प्रभावशाली वक्तव्य से शिवा लोधी ने निर्णायकों को प्रभावित किया और प्रथम स्थान हासिल किया।

मांगों को लेकर शिक्षक-अध्यापक संयुक्त मोर्चा ने एसडीएम को सौंपे ज्ञापन



तेंदूखेड़ा। शिक्षक-अध्यापक संयुक्त मोर्चा विकासखंड तेंदूखेड़ा के तत्वावधान में मंगलवार को शिक्षकों की विभिन्न समस्याओं और मांगों को लेकर अनुविभागीय दंडाधिकारी तेंदूखेड़ा के नाम दो अलग-अलग ज्ञापन तहसीलदार चंद्रशेखर शिल्पी को सौंपे गए। पहले ज्ञापन में शासकीय विद्यालयों में पंजीकृत एवं गैर पंजीकृत व्यक्तियों द्वारा बिना अनुमति प्रवेश कर विद्यार्थियों और शिक्षकों की फोटो-वीडियोग्राफी किए जाने पर रोक लगाने की मांग की गई। मोर्चे ने कहा कि विद्यालय में प्रवेश एवं कवरेज के लिए संबंधित विकासखंड शिक्षा अधिकारी अथवा अनुविभागीय दंडाधिकारी की लिखित पूर्व अनुमति अनिवार्य की जाए साथ ही फोटो-वीडियो के माध्यम से शिक्षकों को ब्लैकमेल करने या गलत एवं भ्रामक समाचार प्रसारित करने वालों पर वैधानिक कार्रवाई की मांग की गई। दूसरे ज्ञापन में 6 नवंबर को आयोजित प्रशिक्षण को निरस्त करने की मांग की गई। मोर्चे ने बताया कि नवीन पाठ्य पुस्तकों का प्रशिक्षण 2 से 6 नवंबर तक आयोजित किया जा रहा है, जबकि पाठ्यक्रम का अध्यापन जुलाई से जारी है। साथ ही 6 नवंबर को धनतेरस का पर्व होने का हवाला देते हुए प्रशिक्षण निरस्त करने की मांग की गई इसके अलावा जनगणना के प्रथम चरण में कार्य करने वाले शिक्षकों को नियमानुसार अर्जित अवकाश देने, उसे सेवा पुस्तिका एवं शिक्षक पोर्टल पर दर्ज कराने तथा शिक्षकों का वेतन प्रत्येक माह की पहली तारीख तक भुगतान करने की मांग की गई।

450 ग्राम सोने-चांदी के आभूषण बरामद, 250 सीसीटीवी की मदद से पुलिस ने आरोपी तक पहुंची

बेसमेंट में बंद कर सराफा व्यापारी की दुकान से 65 लाख के जेवर चोरी, 24 घंटे में महिला गिरफ्तार...

नर्मदापुरम। दोपहर मेट्रो

सराफा व्यापारी को बेसमेंट के स्टोर रूम में बंद कर दुकान से करीब 65 लाख रुपये कीमत के सोने-चांदी के आभूषण चोरी करने वाली महिला को कोतवाली पुलिस ने 24 घंटे के भीतर गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से चोरी गए करीब 450 ग्राम वजन के आभूषण भी बरामद कर लिए हैं। आरोपी ने पहचान छिपाने के लिए घटना के दौरान पहने कपड़े, स्कार्फ, चप्पल और आभूषणों के डिब्बे तक जला दिए थे। पुलिस के अनुसार, महिला पहले भी इटारसी के सराफा बाजार में इसी तरीके से चोरी की वारदात कर चुकी है।

ग्राहक बनकर पहुंची, व्यापारी को बेसमेंट में किया बंद

पुलिस के अनुसार, 2 नवंबर को फरियादी आशीष कुमार जैन (63) ने कोतवाली में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि रघुनाथ गली स्थित उनकी राज ज्वेलर्स दुकान पर दोपहर करीब 12:30 बजे चेहरे पर स्कार्फ बांधे एक महिला ग्राहक बनकर पहुंची। महिला ने चर्म रोग होने का बहाना बनाकर स्कार्फ हटाने से इनकार कर दिया। उसने पहले मंगलसूत्र का पेंडल देखा और एटीएम से पैसे लाने की बात कहकर चली गई। करीब 15 मिनट बाद महिला दोबारा दुकान पर पहुंची और कान के टॉप्स दिखाने को कहा। फरियादी जब आभूषण लेने बेसमेंट के स्टोर रूम में गए, तो महिला ने बाहर से दरवाजा बंद कर दिया। इसके बाद काउंटर की दराज से सोने-चांदी के आभूषणों के डिब्बे चोरी कर फरार हो गई। मामले में पुलिस ने अपराध क्रमांक 1052/2026 के तहत बीएनएस की धारा 305 (ए) और 127(2) में प्रकरण दर्ज किया।



250 कैमरों के फुटेज से मिला सुराग

घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस अधीक्षक दीपक कुमार शुक्ला ने अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अभिषेक राजन के निर्देशन और एसडीओपी जितेंद्र पाठक के पर्यवेक्षण में कोतवाली पुलिस की अलग-अलग टीमें गठित की गईं। पुलिस ने घटनास्थल और आसपास के रास्तों पर लगे करीब 250 सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले। इटारसी और नर्मदापुरम में हुई पूर्व की वारदातों के फुटेज का भी मिलान किया गया।

पूछताछ में कबूली वारदात, जला दिए कपड़े और चप्पल...

पूछताछ में महिला ने अपना नाम चाहत मंसूरी उर्फ मुस्कान लोट (28), पति निखिल लोट, निवासी चर्च के पीछे, खेड़ा, इटारसी बताया। पुलिस के अनुसार, आरोपी ने चोरी की वारदात करना स्वीकार कर लिया। उसके कब्जे से चोरी गए सभी आभूषण बरामद कर विधिवत गिरफ्तार किया गया। आरोपी ने बताया कि पहचान छिपाने के लिए उसने घटना के दौरान पहने कपड़े, स्कार्फ और चप्पल जला दिए थे। चोरी किए गए आभूषणों के डिब्बों को भी जला दिया था।

पुलिस कंट्रोल रूम में एसपी ने दी जानकारी....

पुलिस कंट्रोल रूम में एसपी दीपक कुमार शुक्ला ने पत्रकारों को बताया कि पुलिस ने तकनीकी साक्ष्यों और सीसीटीवी फुटेज की मदद से आरोपी को 24 घंटे के भीतर गिरफ्तार कर चोरी गए आभूषण बरामद कर लिए हैं। आरोपी से अन्य घटनाओं के संबंध में पूछताछ जारी है।



पुलिस टीम का व्यापारियों ने किया सम्मान; 50 हजार रुपए का पुरस्कार

रघुनाथ गली स्थित राज ज्वेलर्स में ग्राहक बनकर आई महिला द्वारा आभूषण चोरी की वारदात का पुलिस ने त्वरित खुलासा किया है। पुलिस ने इटारसी निवासी चाहत मंसूरी उर्फ मुस्कान लोट (28) को गिरफ्तार कर चोरी गए सोने-चांदी के सभी आभूषण बरामद कर लिए हैं। आरोपी पूर्व में भी इस तरह की वारदात कर चुकी है। पुलिस अधीक्षक दीपक कुमार शुक्ला के निर्देशन में कार्रवाई के बाद सराफा व्यापारी संघ और व्यापारी कल्याण महासंघ ने पुलिस कंट्रोल रूम पहुंचकर एसपी, एएसपी अभिषेक राजन, एसडीओपी जितेंद्र पाठक सहित विवेचना टीम का सम्मान किया। सराफा संघ ने टीम को 50 हजार रुपए का नकद पुरस्कार भी दिया।

इनकी रही सराहनीय भूमिका

कार्रवाई में कोतवाली थाना प्रभारी निरीक्षक गौरव सिंह बुंदेला, उनि वंशज श्रीवास्तव, उनि विशाल नागवे, उनि संजय रघुवंशी, प्र.आर. रितेश यदुवंशी, प्र.आर. राकेश भिलाला, म.प्र.आर. मनीषा कुमरे, आर. अजमेश चंद्रोल, आर. अविनाशी हरोड़े, आर. गजेंद्र डडोरे, आर. हरीश डिगरसे, म.आर. समीना खान, आर. सतीश नागवंशी, आर. धर्मेंद्र परिहार, आर. संतोष धाकड़ अन्य की भूमिका रही।

बाल विवाह, शोषण के खिलाफ छात्राओं को किया जागरूक

न्यायाधीश पूजा गोले ने छात्राओं को बताए कानूनी अधिकार

गंजबासौदा। दोपहर मेट्रो

सुरक्षित बचपन अभियान के तहत मंगलवार को शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में विधिक साक्षरता शिविर आयोजित किया गया। तहसील विधिक सेवा समिति के तत्वावधान में आयोजित शिविर में तृतीय व्यवहार न्यायाधीश वरिष्ठ खंड सुश्री पूजा गोले ने छात्राओं को बाल विवाह, बाल शोषण और दुर्व्यवहार के विभिन्न रूपों की जानकारी देते हुए उनके कानूनी अधिकारों के प्रति जागरूक किया।

मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के तत्वावधान एवं प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश के निर्देशानुसार 1 से 6 नवंबर तक सुरक्षित बचपन अभियान चलाया जा रहा है। इसी कड़ी में आयोजित शिविर में न्यायाधीश गोले ने 'ना बाल विवाह, ना बाल



शोषण' एवं 'जागरूक बचपन, तो सशक्त भारत' की थीम पर छात्राओं को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि बाल विवाह और बाल शोषण जैसी कुरीतियों को रोकने के लिए जागरूकता जरूरी है। छात्राओं को अपने अधिकारों की जानकारी रखने और किसी भी प्रकार के शोषण या दुर्व्यवहार की स्थिति में आवाज उठाने के लिए प्रेरित किया। इस दौरान छात्राओं को निःशुल्क विधिक सहायता की प्रक्रिया तथा राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण की हेल्पलाइन 15100 के बारे में भी विस्तार से बताया गया। शिविर में अधिवक्ता श्रीमती रुचि जैन, विद्यालय के प्राचार्य एवं शिक्षकगण, पैरालीगल वॉलेंटियर सुनील राजपूत सहित बड़ी संख्या में छात्राएं मौजूद रहीं।

विधिक सहायता शिविर के दौरान शास. कन्या उमावि में बच्चों का प्रशिक्षण

बचपन बचाओ अभियान: आत्मसुरक्षा और साइबर क्राइम से बचने के बताए उपाय

तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

बचपन बचाओ अभियान के तहत सोमवार 3 नवंबर को शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय तेंदूखेड़ा में विधिक साक्षरता शिविर का आयोजन किया गया। शिविर प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण दमोह सुभाष सोलंकी के निर्देश तथा सचिव पंकज कुमार वर्मा के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में न्यायिक मजिस्ट्रेट एवं अध्यक्ष तहसील विधिक सेवा समिति तेंदूखेड़ा श्रीमती स्मृति सोनी ने छात्राओं को कानून की बारीकियां सरल शब्दों में समझाईं। श्रीमती सोनी ने लैंगिक अपराधों से बालकों का संरक्षण अधिनियम (पॉक्सो एक्ट) 2012 की जानकारी देते हुए बताया कि किसी बालिका के साथ



अशोभनीय इशारे करना, आपत्तिजनक टिप्पणी करना या बार-बार पीछा करना भी गंभीर अपराध की श्रेणी में आता है। इससे बिल्कुल भी न डरें और तुरंत अपने परिजन या शिक्षक को बताएं। उन्होंने साइबर अपराधों को लेकर विशेष रूप से जागरूक किया। उन्होंने कहा कि 18 वर्ष से कम आयु की बालिका की यौन तस्वीर या वीडियो को प्रसारित करना या लीक करना घोर अपराध है। यदि कोई आपको ब्लैकमेल करे तो घबराएं नहीं। न तो उसे पैसे दें और न ही कोई और फोटो-वीडियो भेजें। उस चैट और मैसेज को सबूत के तौर पर सुरक्षित रखें और तुरंत साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930पर शिकायत दर्ज कराएं। बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम 2006 पर जानकारी देते हुए उन्होंने बताया कि 18 वर्ष से कम उम्र की लड़की और 21 वर्ष से कम उम्र के लड़के का विवाह कानूनन अपराध है और इसमें सजा का प्रावधान है।

मेट्रो एंकर

प्रभारी उपपंजीयक को दमोह का अतिरिक्त प्रभार मिलने से बनी स्थिति, एसडीएम को ज्ञापन

तेंदूखेड़ा में रजिस्ट्री बंद, 55 किमी दूर दमोह जाने की मजबूरी

तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

दीपावली के शुभ अवसर पर जब जमीनों के क्रय-विक्रय में तेजी आती है, ठीक उसी समय तेंदूखेड़ा में रजिस्ट्री कार्य ठप पड़ने से नागरिकों में भारी परेशानी और आक्रोश है। प्रशासनिक आदेश के चलते तेंदूखेड़ा के प्रभारी उपपंजीयक को दमोह का अतिरिक्त प्रभार दे दिया गया है, जिससे तेंदूखेड़ा का कार्यालय सूना पड़ गया है।

जानकारी के अनुसार जिला पंजीयक दमोह के आदेश क्रमांक 140/जि.पं./स्था./सेवा/2026/दमोह, दिनांक 30 अक्टूबर 2026 के अनुसार प्रभारी उपपंजीयक तेंदूखेड़ा को उपपंजीयक कार्यालय दमोह का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है। इस आदेश के बाद तेंदूखेड़ा में रजिस्ट्री का काम बंद जैसी स्थिति बन गई है।



त्योहारी सीजन में बढ़ी मुश्किलें

स्थानीय लोगों का कहना है कि दीपावली के समय जमीन-जायदाद की खरीद-बिक्री का सबसे अच्छा मुहूर्त माना जाता है और लोग इस समय रजिस्ट्री कराना पसंद करते हैं। लेकिन अब रजिस्ट्री कराने के लिए क्रेता, विक्रेता और दो गवाहों को तेंदूखेड़ा से करीब 55 किलोमीटर दूर दमोह जाना पड़ रहा है। इससे गरीब किसान और ग्रामीणों को हजारों रुपए का अतिरिक्त खर्च और पूरे दिन की परेशानी उठानी पड़ रही है।

नागरिकों ने सौंपा ज्ञापन

समस्या को लेकर मंगलवार को नागरिकों ने अनुविभागीय अधिकारी तेंदूखेड़ा को ज्ञापन सौंपकर तेंदूखेड़ा उपपंजीयक कार्यालय में प्रतिदिन रजिस्ट्री एवं पंजीयन कार्य संचालित कराने की मांग की नागरिकों ने प्रशासन से मांग की है कि जनहित को देखते हुए तेंदूखेड़ा में नियमित उपपंजीयक की व्यवस्था की जाए, ताकि 63 ग्राम पंचायतों के लोगों को पंजीयन कार्य के लिए 55 किलोमीटर दूर दमोह न जाना पड़े ज्ञापन सौंपने वालों में लेखराम साहू, संजय नामदेव, सचिन सेन, गोपाल ठाकुर, नेमचंद साहू, अनूप सोनी, बीएस सोनी, भानुप्रताप और आकाश नेमा सहित अन्य नागरिक शामिल रहे।

सिवनी-मालवा में दो गुटों में विवाद: सिवनी मालवा के बस स्टैंड इलाके में मोटरसाइकिल चलाने को लेकर विवाद हुआ। युवराज बाथव निवासी गोटियापुरा ने पुलिस को बताया कि वह साथी प्रिंस बाथव के साथ मोटर साइकिल से बस स्टैंड से राम मंदिर की ओर जा रहा था। तभी सामने से आ रहे मोटरसाइकिल सवार ने गलत दिशा में बिना इंडिकेटर दिए उनकी गाड़ी के सामने वाहन मोड़ दिया। इस पर युवराज ने आपत्ति जताई और दोनों पक्षों में कहासुनी हो गई।

मध्यप्रदेश शासन

महानिरीक्षक पंजीयन एवं अधीक्षक मुद्रांक, मध्यप्रदेश, भोपाल

निविदा सूचना

कार्यालय महानिरीक्षक पंजीयन एवं अधीक्षक मुद्रांक, मध्यप्रदेश, भोपाल द्वारा कार्यालय महानिरीक्षक पंजीयन एवं अधीक्षक मुद्रांक मुख्यालय, भोपाल हेतु हाउसकीपिंग (साफ-सफाई) एवं सुरक्षा सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए इच्छुक एवं पात्र एजेंसियों से ऑनलाइन निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं।

निविदा का विवरण

निविदा का नामः IGRS मुख्यालय, भोपाल हेतु हाउसकीपिंग एवं सुरक्षा सेवाएं।
निविदा क्रमांक : 2026_IGTS_546329_1 दिनांक 29/10/2026
निविदा जमा करने की अंतिम तिथिः 19.11.2026, अपराह्न 03:00 बजे।
निविदा खोलने की तिथिः 20.11.2026, अपराह्न 03:00 बजे।
निविदा की विस्तृत जानकारी, पात्रता संबंधी शर्तें एवं निविदा दस्तावेज मध्यप्रदेश ई-टेंडर पोर्टल https://mptenders.gov.in पर उपलब्ध हैं।

संयुक्त महानिरीक्षक पंजीयन
वास्ते महानिरीक्षक पंजीयन मध्यप्रदेश

G-20978/26

मानव शृंखला बनाकर कैंडल मार्च निकला, श्रद्धांजलि अर्पित की

खातेगांव थाना प्रभारी की शराब माफिया द्वारा हत्या के विरोध में शहर कांग्रेस का प्रदर्शन, घटना को बताया अत्यंत दुखद

खातेगांव। दोपहर मेट्रो

खातेगांव थाना प्रभारी की शराब माफिया खातेगांव थाना प्रभारी दिलीप पुरी गोस्वामी की शराब माफिया द्वारा ट्रक से कुचलकर की गई निर्मम हत्या के विरोध में जिला शहर कांग्रेस कमेटी, सागर द्वारा मानव श्रृंखला बनाकर व कैंडल मार्च निकालकर श्रद्धांजलि अर्पित की व विरोध प्रदर्शन किया गया। मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी के आह्वान पर जिला शहर कांग्रेस अध्यक्ष महेश जाटव के नेतृत्व में गौर मूर्ति, तीन बत्ती चौराहा पर आयोजित इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में कांग्रेसजन शामिल हुए। उपस्थित कार्यकर्ताओं ने हाथों में हाथ डालकर मानव श्रृंखला बनाई और माफिया राज के खिलाफ जमकर नारेबाजी की।



जिला शहर कांग्रेस अध्यक्ष महेश जाटव ने कहा यह घटना अत्यंत दुखद और शर्मनाक है। एक कर्तव्यनिष्ठ पुलिस अधिकारी की शराब माफिया द्वारा दिनदहाड़े हत्या कर देना यह साबित करता है कि मध्यप्रदेश में कानून का नहीं, माफिया का राज चल रहा है। जब गृह विभाग स्वयं मुख्यमंत्री के पास है, उसके बावजूद पुलिस तक सुरक्षित नहीं है तो आम जनता का क्या होगा। प्रदेश में शराब माफिया, खनन माफिया, भू-माफिया बेलगाम हो चुके हैं। शासन-प्रशासन का खौफ पूरी तरह खत्म हो गया है। कांग्रेस पार्टी मांग करती है कि इस जघन्य हत्याकांड की उच्च स्तरीय जांच कराई जाए, दोषी माफियाओं और उनके संरक्षकों पर सख्त से सख्त कार्रवाई हो, शहीद अधिकारी के परिवार को एक करोड़ की आर्थिक सहायता और परिवार के एक सदस्य को शासकीय नौकरी दी जाए। पूर्व विधायक सुनील जैन ने कहा कि, भाजपा सरकार के राज में मध्यप्रदेश माफियाओं की शरणस्थली बन गया है। पुलिस का मनोबल टूट रहा है। ईमानदार अधिकारियों को माफिया कुचल रहे हैं और सरकार मूकदर्शक बनी है। यह मानव श्रृंखला सरकार को जगाने के लिए है। हम शहीद दिलीप पुरी गोस्वामी जी के परिवार के साथ खड़े हैं और न्याय मिलने तक हमारी लड़ाई जारी रहेगी। ' इस अवसर पर रमाकांत यादव,शरद पुरोहित, वीरेंद्र राजे ,नरेंद्र मिश्रा, सिंटू कटारे , आनंद हेला,अक्षत कोठारी, सुरेंद्र सुहाने ,लीलाधर सूर्यवंशी,हीरालाल चौधरी ,गंगा राम अहिरवार, नीलश अहिरवार, नरेश संनकत,वीरू चौधरी,मयंक ठक्कर,हीरालाल चौधरी ,कुंजीलाल लडिया ,संजय सरफ आप ,रजिया खान ,रेखा सोनी, ज्योति मलैया ,मीना पटेल, पवन पटेल ,दीनदयाल तिवारी ,प्रभात भंडारी,बंटी कोरी ,आफताब कुरेशी, फिरदौस कुरैशी ,जयदीप तिवारी, दास रैकवार,कार्तिकेय रोहन, साजिद राईन, ताहिर खान ,संजीव अहिरवार,अंकुर यादव ,पप्पू यादव ,लल्ला यादव, आदि उपस्थित थे।

चावरा हेरिटारा 2026 का आयोजन 5 नवंबर को

नरसिंहपुर। चावरा विद्यापीठ नरसिंहपुर में 5 नवंबर को विद्यार्थियों की प्रतिभा, रचनात्मकता, नवाचार, कला एवं विभिन्न गतिविधियों का प्रदर्शन किया जाएगा। फ्र. वर्गीस ने बताया कि 5 नवंबर को विद्यालय परिसर में चावरा हेरिटारा 2026 का भव्य आयोजन किया जाएगा। इस अवसर पर विद्यालय में रक्तदान कार्यक्रम का भी आयोजन किया जाएगा, जिसका उद्देश्य समाज में रक्तदान के प्रति जागरूकता बढ़ाना एवं जरूरतमंद लोगों की सहायता के लिए लोगों को प्रेरित करना है। विद्यालय सचिव हबीब खान एवं पवन चौधरी विशेष रूप से उपस्थित रहे।

न्यूज विंडो

एक हजार रुपए का इनामी फरार आरोपी गिरफ्तार, चोरी का मोबाइल बरामद



कुक्षी। थाना कुक्षी पुलिस ने चोरी के एक मामले में लंबे समय से फरार चल रहे एक हजार रुपए के इनामी आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से चोरी गया मोबाइल फोन भी बरामद किया है। आरोपी को न्यायालय में पेश किया जा रहा है। पुलिस अधीक्षक सचिन शर्मा के निर्देशन में जिले में फरार आरोपियों की धरपकड़ के लिए अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में कुक्षी पुलिस ने अपराध क्रमांक 295/2025, धारा 316(2) बीएनएस के मामले में फरार चल रहे आरोपी छोटू उर्फ कैलाश पिता रुमाल बामनिया निवासी ग्राम झेगदा, थाना बाग को गिरफ्तार किया है। आरोपी की गिरफ्तारी पर पुलिस अधीक्षक द्वारा एक हजार रुपए का इनाम घोषित किया गया था। पुलिस के अनुसार, 2 नवंबर को मुखबिर से मिली सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने घेराबंदी कर आरोपी को अंबेडकर चौराहे, कुक्षी से गिरफ्तार किया। पूछताछ के दौरान उसके कब्जे से प्रकरण में चोरी गया मोबाइल फोन बरामद कर जब्त किया गया। आरोपी को न्यायालय कुक्षी में पेश किया जा रहा है। पुलिस उससे अन्य संभावित अपराधों के संबंध में भी पूछताछ कर रही है।

बटुक भैरव मंदिर की बावड़ी में मिला बुजुर्ग का शव, महिलाओं ने दी जानकारी

धार। शहर के देवीजी रोड स्थित बटुक भैरव मंदिर की बावड़ी में बुधवार सुबह एक अज्ञात बुजुर्ग का शव मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। शव बावड़ी के एक छोर पर पानी में तैरता हुआ दिखाई दिया। मंदिर परिसर में पूजा-अर्चना करने पहुंची महिलाओं की नजर शव पर पड़ी। उन्होंने तत्काल इसकी सूचना कोतवाली पुलिस को दी। सूचना मिलते ही कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची और शव को बावड़ी से बाहर निकलवाने की कार्रवाई की। मृतक की पहचान अभी नहीं हो सकी है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भिजवाने की तैयारी की है। साथ ही मृतक की शिनाख्त के प्रयास किए जा रहे हैं। बुजुर्ग की मौत किन परिस्थितियों में हुई, इसका खुलासा पोस्टमार्टम रिपोर्ट और पुलिस जांच के बाद ही हो सकेगा।



मुख्यमंत्री डॉ. यादव की मंशानुरूप गायक लोधी का कराया नेत्र परीक्षण



सागर। फिल्म 'हनुमान अंश' के बुंदेली गीत से लोकप्रिय हुए सागर के युवा गायक सुनील लोधी का मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की मंशानुरूप स्वास्थ्य एवं विशेष नेत्र परीक्षण कराया गया। ज्ञातव्य है कि विगत दिनों मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने गायक सुनील लोधी से मुलाकात पर उनकी संगीत शिक्षा और समुचित इलाज के निर्देश दिए थे। कलेक्टर दिलीप कुमार यादव की विशेष पहल पर बुंदेलखंड मेडिकल कॉलेज में गायक सुनील लोधी का स्वास्थ्य परीक्षण कराने के साथ-साथ विस्तृत नेत्र परीक्षण भी कराया गया, ताकि उन्हें आवश्यक चिकित्सकीय सहायता उपलब्ध कराई जा सके।

श्यामपुर में 107 बोरी मावा जब्त खाद्य विभाग ने सैंपल जांच के लिए भेजे

सीहोर। सीहोर के श्यामपुर में बुधवार को पुलिस और खाद्य सुरक्षा विभाग की संयुक्त टीम ने आयशर वाहन से मावे के 107 बोरे जब्त किए। मावे के सैंपल जांच के लिए लैब भेजे जा रहे हैं। पुलिस और खाद्य विभाग को सूचना मिली थी कि एक वाहन में मावे की खेप ले जाई जा रही है। इसके बाद श्यामपुर थाना प्रभारी और सीहोर के फूड इंस्पेक्टर की टीम ने वाहन रोककर तलाशी ली। प्रारंभिक आकलन के मुताबिक, हर बोरे का वजन करीब 40 से 50 किलो है।

धार में सहकारिता प्रबंधक के ठिकानों पर लोकायुक्त का छापा

आय से 271% ज्यादा संपत्ति मिली 65 लाख वेतन, 2.41 करोड़ का खर्च

धार। दोपहर मेट्रो

लोकायुक्त की इंदौर टीम ने बुधवार को धार जिले में सहकारिता समिति के एक प्रबंधक के तीन ठिकानों पर एक साथ छापा मारा। कार्रवाई में करोड़ों रुपए की संपत्ति का पता चला है। लोकायुक्त के मुताबिक, आदिम जाति सेवा सहकारी समिति नालछा के प्रबंधक शेरसिंह ठाकुर ने अपनी वैध आय से करीब 271.46 प्रतिशत अधिक संपत्ति जुटाई है।लोकायुक्त अधिकारियों के अनुसार, ठाकुर के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति की शिकायत मिली थी। करीब 20 साल की नौकरी में उन्हें वेतन के रूप में लगभग 65 लाख रुपए मिले। वहीं, जांच में उनकी वैध आय की तुलना में करीब 2 करोड़ 41 लाख 45 हजार रुपए का खर्च सामने आया है। इसी आधार पर उनकी संपत्ति को अनुपातहीन माना गया है।

तीन गांवों में एक साथ पहुंचीं लोकायुक्त की टीमें

लोकायुक्त संगठन इंदौर की तीन टीमों ने बुधवार को ग्राम सोडपुर, नालछा और मांडव में एक साथ कार्रवाई की। टीमों ने यहां बने मकानों, जमीन, वाहनों और कृषि उपकरणों की जांच की।





भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत केस दर्ज

कार्रवाई में डीएसपी आनंद चौहान के साथ निरीक्षक आशुतोष मिठास, प्रतिभा तोमर और सचिन पटेरिया शामिल रहे। टीम में एएसआई रहीम खान सहित अन्य पुलिसकर्मी भी मौजूद थे। लोकायुक्त ने शेरसिंह ठाकुर के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण संशोधन अधिनियम 2018 की धारा 13(1)(बी) और 13(2) के तहत केस दर्ज किया है। मामले में आगे की जांच और वैधानिक कार्रवाई जारी है।

मकान से लेकर जमीन और वाहनों तक मिली संपत्ति

लोकायुक्त की शुरुआती जांच में सामने आई संपत्तियों का विवरण इस प्रकार है—

दो मंजिला मकान: ग्राम सोडपुर में 2400 वर्ग फीट में बना मकान मिला। इसकी अनुमानित कीमत 97 लाख रुपए बताई गई है।

व्यावसायिक भवन: नालछा में मांडव रोड-सोडपुर तिराहे पर 1350 वर्ग फीट का भवन मिला, जिसकी कीमत करीब 20 लाख रुपए आंकी गई है।

कृषि भूमि: सोडपुर में पत्नी के नाम 0.645 हेक्टेयर जमीन मिली, जिसकी अनुमानित कीमत 8 लाख रुपए है।

एक और कृषि भूमि: मांडव में पत्नी के नाम 2.526 हेक्टेयर जमीन मिली है। इसकी कीमत करीब 42 लाख रुपए बताई गई है।

वाहन और कृषि यंत्र: जेसीबी, महिंद्रा ट्रैक्टर, महिंद्रा टीयूवी, ऑल्टो कार, बुलेट और अन्य कृषि उपकरण मिले हैं। इनकी अनुमानित कीमत 53 लाख रुपए बताई गई है। इसके अलावा एक अन्य भवन और कुछ अचल संपत्तियों पर रखे ट्रैक्टर-ट्रॉली व कृषि उपकरणों के मालिकाना हक और कीमत की जांच की जा रही है।

देवरी पुलिस की दो स्थानों पर दबिश

3,67,600 रुपये कीमत के अवैध पटाखे एवं विस्फोटक सामग्री की जब्त

सागर। दोपहर मेट्रो

दीपावली पर्व को दृष्टिगत रखते हुए आमजन की सुरक्षा एवं कानून-व्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य से सागर पुलिस द्वारा अवैध विस्फोटक पदार्थों, पटाखों के अनधिकृत भंडारण, परिवहन एवं क्रय-विक्रय के विरुद्ध विशेष अभियान चलाया जा रहा है। पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा सभी थाना प्रभारियों को अपने-अपने थाना क्षेत्रों में सतत निगरानी रखने तथा अवैध गतिविधियों की जानकारी मिलने पर तत्काल प्रभावी कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए हैं।

इसी क्रम में थान देवरी द्वारा पुलिस टीम गठित कर थाना क्षेत्र में अवैध पटाखों के भंडारण एवं विक्रय के विरुद्ध विशेष अभियान चलाया गया।थाना देवरी पुलिस द्वारा ग्राम जैतपुर पिपरिया में आरोपी विमल जैन के यहां अवैध रूप से भंडारित पटाखों के संबंध में कार्रवाई करते हुए लगभग 14,900 रुपये कीमत के पटाखे जब्त किए गए। दूसरी कार्रवाई में बड़ी सफलता मिली। आरोपी अमित कुमार विश्वकर्मा पिता शिवकुमार विश्वकर्मा, उम्र 33 वर्ष, निवासी जवाहर वार्ड देवरी, जिला सागर द्वारा रामगोपाल बडेरिया निवासी देवरी के चिरचिटा रोड नहर के पास स्थित खेत में बने मकान को किराये पर लेकर उसमें अवैध रूप से पटाखों एवं विस्फोटक सामग्री का भंडारण किया गया था। पुलिस टीम द्वारा मौके पर दबिश देकर जांच की गई, जहां से पटाखों एवं बम (विस्फोटक सामग्री) से भरे 25 कार्टून, कुल अनुमानित कीमत 3,52,700 रुपये के जब्त किए गए।

बिना लाइसेंस आबादी में बेच रहे पटाखे 2 लाख 77 हजार रुपए के पटाखे जब्त

सागर। दोपहर मेट्रो

दिवाली के मद्देनजर आम नागरिकों की सुरक्षा एवं किसी भी संभावित अग्नि दुर्घटना को रोकने के उद्देश्य से पुलिस अवैध रूप से विस्फोटक पदार्थों एवं पटाखों के भंडारण तथा विक्रय के विरुद्ध सघन अभियान चलाया जा रहा है। इसी अभियान के तहत अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (बीना) जयवीर सिंह भदौरिया, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सागर नरेंद्र सोलंकी एवं एसडीओपी खुरई के मार्गदर्शन में थाना खुरई शहर पुलिस को मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई कि खुरई शहर के घनी आबादी वाले रिहायशी क्षेत्र में बिना वैध लाइसेंस के भारी मात्रा में पटाखों का अवैध भंडारण किया गया है।

सूचना को गंभीरता से लेते हुए थाना खुरई शहर पुलिस ने तत्काल मौके पर दबिश देकर जांच एवं कार्रवाई की। पुलिस द्वारा मौके से भारी मात्रा में विभिन्न प्रकार की आतिशबाजी सामग्री एवं विस्फोटक पदार्थ जब्त किए गए।



इनमें सुतली बम, बुलेट बम, चकरी, रॉकेट, अनारदाना, लड़ी सहित अन्य प्रकार के पटाखे शामिल हैं। जब्त सामग्री की अनुमानित कीमत 2,77,209 रुपये बताई जा रही है. अवैध रूप से पटाखों का भंडारण करने वाले आरोपी अभिषेक पिता स्वर्गीय कैलाश यादव, उम्र 28 वर्ष, निवासी चंद्रशेखर आजाद वार्ड, नगर पालिका के सामने, पठार, खुरई के विरुद्ध धारा 5(9) विस्फोटक अधिनियम एवं धारा 288 भारतीय न्याय संहिता के तहत अपराध पंजीबद्ध कर वैधानिक कार्रवाई की गई है।

इंदौर-दाहोद रेल परियोजना: टीही-धार के बीच 130 किमी की रफ्तार से दौड़ा इलेक्ट्रिक इंजन

47 किमी लंबे ट्रैक पर पहली बार हुआ हाईस्पीड ट्रायल, पीथमपुर की 3 किमी लंबी टनल का परीक्षण भी सफल

धार। दोपहर मेट्रो

इंदौर-दाहोद रेल परियोजना ने एक और महत्वपूर्ण पड़ाव पार कर लिया है। परियोजना के तहत टीही से धार के बीच 47 किलोमीटर लंबे नवनिर्मित रेल ट्रैक पर सोमवार को पहली बार इलेक्ट्रिक इंजन दौड़ाया गया। चार चरणों में हुए हाईस्पीड ट्रायल के अंतिम चरण में इंजन को 130 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से दौड़ाया गया। ट्रायल के दौरान ट्रैक और पीथमपुर की 3 किलोमीटर लंबी सुरंग का प्रदर्शन भी सामान्य और सुरक्षित पाया गया। ट्रायल की तैयारियों के तहत रविवार शाम को ओवरहेड इलेक्ट्रिक लाइन (ओएचई) का काम पूरा कर 25 केवी एसी लाइन को चार्ज किया गया। सोमवार सुबह 8:30 बजे ट्रायल शुरू हुआ। शुरुआती चरण में इंजन को 30 से 70 किमी प्रति घंटे की गति से चलाकर ट्रैक की स्थिति जांची गई। इसके बाद अलग-अलग चरणों में गति बढ़ाई गई। अंतिम चरण में धार से टीही के बीच इंजन 110 से 130 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से दौड़ा। इस ट्रायल की खास उपलब्धि पीथमपुर स्थित तीन किलोमीटर लंबी टनल का सफल परीक्षण रहा। तेज गति से इंजन गुजरने के दौरान सुरंग और ट्रैक का व्यवहार सामान्य पाया गया। अब 5 और 6 नवंबर को कमिश्नर ऑफ रेलवे सेफ्टी (सीआरएस) की टीम 47 किमी लंबे रेलखंड का अंतिम निरीक्षण करेगी। सीआरएस से हरी झंडी मिलने के बाद इस मार्ग पर यात्री और मालगाड़ियों के संचालन का रास्ता साफ हो सकेगा।



मेट्रो एंकर

त्योहारी सीजन में खाद्य विभाग की छापेमारी, 33 नमूने जांच के लिए भेजे

खाद्य सुरक्षा: मिठाई दुकानों और डेयरी पर छापे: एक डेयरी पर प्रकरण दर्ज

धार। दोपहर मेट्रो

आगामी त्योहारों को देखते हुए खाद्य सुरक्षा विभाग ने जिले में मिठाई दुकानों, दूध डेयरियों, नमकीन निर्माताओं और रेस्टोरेंटों के खिलाफ जांच अभियान तेज कर दिया है। कलेक्टर राजीव रंजन मीना के निर्देश पर खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम ने राजगढ़, धार, मनावर और उमरबन में विभिन्न प्रतिष्ठानों का आकस्मिक निरीक्षण कर खाद्य पदार्थों के कुल 33 नमूने जांच के लिए भोपाल भेजे हैं। अभिहित अधिकारी डॉ. अनिता सिंगारे के निर्देशन में खाद्य सुरक्षा अधिकारियों रामगोपाल मऊटा और सुभाष खेड़कर ने कार्रवाई की। ग्राम राजगढ़ में तहसीलदार एवं थाना प्रभारी की संयुक्त टीम के साथ जोधपुर स्वीट्स एवं नमकीन कारखाने से गुलाब जामुन और बेसन चक्की के नमूने लिए गए। वहीं होटल श्रीमाया से मिल्क केक व सेंव तथा महावीर होटल से मावा, मिल्क केक और नमकीन के नमूने लिए गए। दोनों होटलों में साफ-सफाई, खाद्य पदार्थों के भंडारण और जरूरी रिकॉर्ड में कमियां मिलने पर सुधार सूचना नोटिस जारी किए गए।



सोमानी दूध सेवा से मावा, पनीर और घी के नमूने लिए गए। पनीर निर्माण के लिए वैध खाद्य पंजीयन नहीं मिलने पर प्रकरण दर्ज किया गया।

सफॉई नहीं मिलने पर नोटिस जारी

धार में गुरुकृपा स्वीट्स एवं नमकीन तथा न्यू सांवरिया स्वीट्स एंड नमकीन का निरीक्षण कर मिठाई, मावा, नमकीन और खाद्य तेल सहित विभिन्न उत्पादों के नमूने लिए गए। मनावर में जैन दूध दही भंडार, बागेश्वरी स्वीट्स और तृप्ति स्वीट्स से मावा, मिल्क केक, पेड़ा और मलाई बर्फी के नमूने लिए गए। उमरबन के शिव शक्ति होटल और कान्हा होटल एवं दूध डेयरी से भी खाद्य पदार्थों के नमूने लिए गए। दोनों प्रतिष्ठानों में साफ-सफाई की कमी मिलने पर सुधार सूचना नोटिस जारी किए गए। मनावर के जय श्रीराम नाश्ता सेंटर की शिकायत पर पकौड़े और इस्तेमाल किए गए खाद्य तेल के नमूने भी जांच के लिए लिए गए। खाद्य सुरक्षा विभाग के अनुसार कार्रवाई में कुल चार प्रतिष्ठानों को सुधार सूचना नोटिस जारी किए गए हैं, जबकि एक डेयरी पर वैध पंजीयन के बिना कारोबार करने पर प्रकरण बनाया गया है। सभी 33 नमूने भोपाल स्थित राज्य खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला भेजे गए हैं। जांच रिपोर्ट प्राप्त होने के बाद खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 के तहत आगे की कार्रवाई की जाएगी। विभाग ने स्पष्ट किया है कि त्योहारों के दौरान यह अभियान लगातार जारी रहेगा।

पीवी सिंधू और लक्ष्य सेन की बैडमिंटन फंडिंग पर विवाद!

पदक नहीं बल्कि फेडरेशन की इस गलती से अटका पैसा, साई ने बताई वजह

नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ियों की विदेशी प्रतियोगिताओं में भागीदारी के लिए मिलने वाली आर्थिक सहायता को लेकर विवाद खड़ा हो गया है। पीवी सिंधू और लक्ष्य सेन जैसे स्टार खिलाड़ियों की फंडिंग में कटौती की खबरों के बीच भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) ने अपनी सफाई दी है। साई ने उन खबरों को खारिज किया है, जिनमें दावा किया गया था कि जापान में एशियाई खेलों में पदक नहीं मिलने के कारण बैडमिंटन खिलाड़ियों की आर्थिक सहायता रोकी गई। प्राधिकरण के मुताबिक, फंडिंग में देरी की असली वजह बैडमिंटन संघ का निर्धारित समय पर प्रस्ताव जमा नहीं करना है।

बैडमिंटन संघ की देरी बनी फंडिंग में बाधा

एजेंसी के मुताबिक, साई के सूत्रों ने बताया कि बैडमिंटन संघ को निर्धारित 30 दिनों की समयसीमा में अपना प्रस्ताव जमा करना था, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। एक अधिकारी ने कहा कि नई व्यवस्था सभी खेल संघों पर समान रूप से लागू होती है। यदि प्रतियोगिता से 30 दिन पहले खिलाड़ियों के नाम के साथ प्रस्ताव नहीं मिलता, तो उसे आगे की प्रक्रिया के लिए स्वीकार नहीं किया जाएगा।



यूरोप दौरे के लिए नहीं मिली आर्थिक सहायता

रिपोर्ट के अनुसार, साई ने भारतीय बैडमिंटन टीम के यूरोप दौरे के लिए आर्थिक सहायता देने से इनकार कर दिया था। इस दौरे में फिनलैंड, डेनमार्क, फ्रांस और जर्मनी में लगातार चार प्रतियोगिताएं शामिल थीं। खिलाड़ियों को इस फैसले की जानकारी 6 अक्टूबर को फिनलैंड के वांता में आर्कटिक ओपन शुरू होने से कुछ दिन पहले मिली थी। इसके चलते खिलाड़ियों की तैयारियों और यात्रा प्रबंधन पर भी असर पड़ा। साई के अधिकारी के अनुसार, पहले खेल संघों को बिना खिलाड़ियों के नाम के 90 दिन पहले और नामों के साथ 60 दिन पहले प्रस्ताव देना होता था। हालांकि, बैडमिंटन संघ ने इतनी जल्दी प्रस्ताव तैयार करने में कठिनाई जताई थी। इसके बाद समयसीमा घटाकर 30 दिन कर दी गई। लेकिन इसके बावजूद निर्धारित समय में प्रस्ताव जमा नहीं हुआ। साई का कहना है कि खेल संघों को भी अपनी जिम्मेदारी निभानी होगी। इस विवाद के बीच भारतीय बैडमिंटन के लिए अच्छी खबर भी आई है। पीवी सिंधू और लक्ष्य सेन ने जर्मनी में आयोजित हाइलो ओपन 2026 में क्रमशः महिला और पुरुष एकल का खिताब अपने नाम किया। चार साल बाद ऐसा हुआ है, जब दो भारतीय खिलाड़ियों ने एक ही विश्व बैडमिंटन महासंघ प्रतियोगिता में सुपर 500 या उससे बड़े स्तर के दो खिताब जीते हैं।

विश्वकप 2027 : भारत-पाक मुकाबले के लिए ऐसी दीवानगी

84 लाख से ज्यादा फैंस ने मांगे टिकट स्टेडियम में जगह सिर्फ34 हजार के लिए

नई दिल्ली,, एजेंसी

क्रिकेट में भारत और पाकिस्तान की प्रतिद्वंद्विता का रोमांच एक बार फिर देखने को मिल रहा है। अगले साल होने वाले वनडे विश्व कप में दोनों देशों के बीच मुकाबले को लेकर ऐसी दीवानगी है कि टिकटों के लिए लाखों लोग कतार में हैं। दक्षिण अफ्रीका के जोहानिसबर्ग स्थित द वांडरर्स स्टेडियम में 10 अक्तूबर 2027 को होने वाले इस मुकाबले के लिए अब तक करीब 84 लाख टिकट आवेदन मिल चुके हैं। खास बात यह है कि इस स्टेडियम की दर्शक क्षमता महज 34 हजार है। यानी उपलब्ध सीटों की तुलना में टिकटों की मांग कई गुना ज्यादा है। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के मुताबिक, भारत-पाकिस्तान मुकाबले के लिए कुल 83,97,294 टिकट आवेदन मिले हैं। यह टूर्नामेंट का अब तक सबसे ज्यादा मांग वाला मुकाबला बन गया है। यहां तक कि विश्व कप फाइनल भी टिकटों की मांग के मामले में इससे पीछे है।

फाइनल के लिए भी करीब 79 लाख आवेदन- 2027 वनडे विश्व कप का फाइनल भी जोहानिसबर्ग के इसी वांडरर्स स्टेडियम में 21 नवंबर को खेला जाएगा। इस मुकाबले के लिए अब तक 79,00,944 टिकट आवेदन मिले हैं। इस तरह फाइनल टूर्नामेंट का दूसरा सबसे ज्यादा मांग वाला मुकाबला है। भारत-पाकिस्तान मैच और फाइनल के टिकटों की मांग में अंतर इस प्रतिद्वंद्विता की लोकप्रियता को दर्शाता है। हालांकि, दोनों मुकाबलों के लिए उपलब्ध सीटों के मुकाबले आवेदन की संख्या काफी अधिक है। आईसीसी के अनुसार, 2027 विश्व कप के लिए दुनियाभर के 193 देशों से 28 लाख अलग-अलग प्रशंसकों ने टिकट पाने में दिलचस्पी दिखाई है। अब तक कुल 12 करोड़ से ज्यादा टिकट आवेदन मिल चुके हैं। वहीं, 3.2 करोड़ से अधिक मैच रजिस्ट्रेशन पूरे किए जा चुके हैं। इससे पता चलता है कि दर्शकों की दिलचस्पी सिर्फ भारत-पाकिस्तान जैसे बड़े मुकाबलों तक सीमित नहीं है। टिकट आवेदन के मामले में दक्षिण अफ्रीका, ब्रिटेन, भारत, अमेरिका और ऑस्ट्रेलिया शीर्ष देशों में शामिल हैं। अकेले अफ्रीकी महाद्वीप से 1.49 करोड़ से ज्यादा टिकट आवेदन आए हैं।



41 मैचों के लिए 10.5 करोड़ आवेदन

दक्षिण अफ्रीका में आठ स्टेडियमों पर होने वाले 41 मुकाबलों के लिए 10.5 करोड़ से ज्यादा टिकट आवेदन मिले हैं। इनमें मेजबान दक्षिण अफ्रीका के 11 मुकाबलों के लिए करीब 2.6 करोड़ आवेदन शामिल हैं। इन 11 मैचों में पहले से तय सुपर-7 चरण के मुकाबले भी शामिल हैं। जिम्बाब्वे में भी दर्शकों का उत्साह देखने लायक है। वहां कुल टिकट आवेदनों की संख्या 1.3 करोड़ के पार पहुंच गई है। 24 अक्तूबर को विक्टोरिया फॉल्स के नए मोसी-ओ-तुन्या अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में जिम्बाब्वे और भारत के बीच होने वाले मैच के लिए ही 33 लाख से ज्यादा आवेदन आए हैं। वहीं, नामीबिया के विंडहोक स्थित नामीबिया क्रिकेट ग्राउंड में होने वाले छह मुकाबलों के लिए 20 लाख से ज्यादा टिकट आवेदन मिले हैं। इनमें आठ अक्तूबर को इंग्लैंड और बांग्लादेश के बीच होने वाले मैच के लिए करीब नौ लाख आवेदन शामिल हैं।

कब तक कर सकते हैं टिकट के लिए आवेदन?

2027 वनडे विश्व कप 24 साल बाद अफ्रीकी धरती पर लौटेगा। दक्षिण अफ्रीका, जिम्बाब्वे और नामीबिया संयुक्त रूप से इस टूर्नामेंट की मेजबानी करेंगे। इसमें 14 टीमें 12 स्टेडियमों में कुल 57 मुकाबले खेलेंगी। टिकट बैलट के लिए आवेदन करने की अंतिम तारीख 21 नवंबर 2026 को रात 11:59 बजे (दक्षिण अफ्रीकी समय) है। प्रशंसक आईसीसी की आधिकारिक टिकट वेबसाइट पर अपनी पसंद के मुकाबलों के लिए रजिस्ट्रेशन करा सकते हैं। जिन मैचों में मांग उपलब्ध टिकटों से अधिक होगी, उनके टिकटों का आवंटन रैंडम बैलट प्रक्रिया के जरिए होगा। तय समय तक रजिस्ट्रेशन नहीं कराने वाले प्रशंसक इस बैलट के जरिए टिकट पाने के पात्र नहीं होंगे।

पहले आवेदन करने वालों को नहीं मिलेगी प्राथमिकता

आईसीसी ने स्पष्ट किया है कि टिकट बैलट की प्रक्रिया पहले आओ, पहले पाओ के आधार पर नहीं होगी। यानी रजिस्ट्रेशन की अवधि के दौरान किसी भी समय आवेदन करने वाले प्रशंसकों को समान अवसर मिलेगा। आवेदन जल्दी करने से टिकट मिलने की संभावना नहीं बढ़ेगी। जिन मुकाबलों के लिए उपलब्ध टिकटों से ज्यादा आवेदन आएंगे, उनके टिकटों का आवंटन रैंडम बैलट प्रक्रिया के जरिए किया जाएगा। सफल आवेदकों को ईमेल के माध्यम से टिकट खरीदने की प्रक्रिया और आगे के चरणों की जानकारी दी जाएगी।

आईपीएल 2027: मुंबई इंडियंस से होने जा रहा है ऐतिहासिक ट्रेड

पंजाब किंग्स में होगी हार्दिक की एंट्री! बदले में जाएंगे अर्शदीप

नई दिल्ली, एजेंसी

आईपीएल 2027 के मिनी ऑक्शन और रिटेंशन डेडलाइन से पहले क्रिकेट जगत में एक ऐसी खबर सामने आई है, जिसने फैंस के बीच हलचल मचा दी है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, मुंबई इंडियंस के कप्तान और स्टार ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या आगामी सीजन में पंजाब किंग्स की लाल जर्सी में नजर आ सकते हैं। दोनों फ्रेंचाइजियों के बीच एक बड़ी ट्रेड डील को लेकर बातचीत अंतिम चरण में पहुंचने का दावा किया जा रहा है। अगर यह सौदा आधिकारिक रूप से मंजूर हो जाता है, तो इसे आईपीएल इतिहास के सबसे बड़े और चौंकाने वाले प्लेयर ट्रेड में गिना जा सकता है।

हार्दिक पंड्या के लिए पंजाब किंग्स लगाएगी बड़ा दांव- स्पोर्टस्टार की रिपोर्ट के अनुसार, रिकी पोंटिंग के मार्गदर्शन वाली पंजाब किंग्स अपनी टीम में हार्दिक पंड्या जैसे अनुभवी और मैच विनिंग ऑलराउंडर को शामिल करना चाहती है। हार्दिक बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनों से मैच का रुख बदलने की क्षमता रखते हैं। ऐसे में पंजाब की टीम उन्हें अपने खेमे में शामिल करके आगामी सीजन के लिए मजबूत दावेदारी पेश करना चाहती है। हालांकि, हार्दिक को हासिल करना पंजाब के लिए आसान नहीं होगा। इस ट्रेड के लिए फ्रेंचाइजी को अपने दो अहम खिलाड़ियों की कुर्बानी देनी पड़ सकती है।

अर्शदीप सिंह और विष्णु विनोद होंगे मुंबई का हिस्सा?- रिपोर्ट्स के मुताबिक, प्रस्तावित स्वैप डील में पंजाब किंग्स के स्टार भारतीय तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह और विकेटकीपर-बल्लेबाज विष्णु विनोद मुंबई इंडियंस में शामिल हो सकते हैं। मुंबई इंडियंस को लंबे समय से जसप्रीत बुमराह के साथ एक मजबूत भारतीय तेज गेंदबाज की जरूरत महसूस हो रही है। अर्शदीप के आने से टीम का गेंदबाजी आक्रमण और मजबूत हो सकता है। वहीं, विष्णु विनोद के रूप में मुंबई को एक अतिरिक्त विकेटकीपर-बल्लेबाज का विकल्प भी मिल जाएगा।



मुंबई की तरफ से आया था ट्रेड का प्रस्ताव!

इस संभावित ट्रेड की सबसे दिलचस्प बात यह है कि रिपोर्ट के अनुसार, इसका शुरुआती प्रस्ताव मुंबई इंडियंस के एक वरिष्ठ अधिकारी की तरफ से आया था। इसके बाद पंजाब किंग्स ने इस प्रस्ताव पर गंभीरता से विचार किया और बातचीत आगे बढ़ाई। दोनों टीमों के प्रबंधन के बीच सहमति बनने की खबरें सामने आ रही हैं। हालांकि, अभी तक इस पूरे मामले पर किसी भी फ्रेंचाइजी की ओर से आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है।

17 नवंबर की डेडलाइन से पहले हो सकता है बड़ा ऐलान

आईपीएल 2027 की रिटेंशन डेडलाइन 17 नवंबर बताई जा रही है। ऐसे में दोनों टीमों के पास ट्रेड प्रक्रिया पूरी करने के लिए सीमित समय है। बताया जा रहा है कि अब इस संभावित सौदे को अंतिम रूप देने के लिए औपचारिक प्रक्रिया और आईपीएल गवर्निंग बॉडी की मंजूरी का इंतजार है। अगर सब कुछ योजना के मुताबिक रहा, तो दोनों फ्रेंचाइजियां जल्द ही इस ट्रेड को लेकर आधिकारिक घोषणा कर सकती हैं। हार्दिक पंड्या का पंजाब किंग्स में जाना और अर्शदीप सिंह का मुंबई इंडियंस में शामिल होना दोनों टीमों की रणनीति में बड़ा बदलाव ला सकता है। पंजाब को हार्दिक के रूप में एक अनुभवी कप्तान और ऑलराउंडर मिल सकता है, जबकि मुंबई को अपनी गेंदबाजी और विकेटकीपिंग मजबूत करने का मौका मिलेगा। फिलहाल क्रिकेट फैंस को आधिकारिक घोषणा का इंतजार है। यदि यह ट्रेड सच साबित होता है, तो आईपीएल 2027 शुरू होने से पहले ही सबसे बड़ी खबर बन सकती है।

मनोरंजन | **बॉलीवुड का कोना**

आम्रपाली को अब शादी नहीं, मां बनने की है चाहत! बिग बॉस-20 में किया दिल का बड़ा खुलासा

मुंबई। भोजपुरी फिल्म इंडस्ट्री की मशहूर अभिनेत्री आम्रपाली दुबे इन दिनों रियलिटी शो बिग बॉस-20 को लेकर चर्चा में हैं। शो में अपने बेबाक अंदाज और खास व्यक्तित्व से दर्शकों का ध्यान खींचने वाली आम्रपाली ने इस बार अपनी निजी जिंदगी को लेकर ऐसा खुलासा किया है, जिसने सभी को भावुक कर दिया। अभिनेत्री ने मां बनने की अपनी इच्छा जाहिर करते हुए कहा कि जिंदगी के इस पड़ाव पर उनके लिए मां बनना सबसे बड़ी प्राथमिकता है। अब उन्हें किसी और चीज से ज्यादा अपने बच्चे को पालने का सपना दिखाई देता है।

दरअसल, शो के दौरान आम्रपाली दुबे ने अपनी साथी कंटेस्टेंट लव गिल के साथ बातचीत में अपने स्वभाव और मातृत्व की इच्छा पर खुलकर चर्चा की। उन्होंने कहा कि शो में वह जिस तरह दूसरे लोगों का ख्याल रखती हैं, उसे कुछ लोग उनके गेम का हिस्सा समझते हैं, लेकिन ऐसा बिल्कुल नहीं है। आम्रपाली ने कहा, लोग सोचते हैं कि शो में मैं जैसे रहती हूं और लोगों के साथ व्यवहार करती हूं, वो मेरे गेम का हिस्सा है, लेकिन नहीं यार, यह मेरे व्यक्तित्व का हिस्सा है। इस समय मुझे सिर्फ मां बनना दिख रहा है और कुछ नहीं। अभिनेत्री के मुताबिक, दूसरों की चिंता करना और उनकी जरूरतों का ध्यान रखना उनके व्यक्तित्व का स्वाभाविक हिस्सा बन चुका है।



बातचीत के दौरान आम्रपाली ने बताया कि वह घर में मौजूद यंग डीएससी, स्काउट ओपी और लव गिल के प्रति भी एक मां की तरह सुरक्षात्मक महसूस करती हैं। वह इन सभी का ख्याल उसी तरह रखती हैं, जैसे कोई मां अपने बच्चों की देखभाल करती है। उन्होंने कहा कि वह किसी के सामने परवाह करने का दिखावा नहीं कर सकतीं।

शादी से पहले मां बनने का सपना भी कर चुकी हैं जाहिर

आम्रपाली दुबे के लिए मां बनने की इच्छा कोई नई बात नहीं है। इससे पहले भी वह भोजपुरी बवाल शो में इस मुद्दे पर खुलकर अपनी बात रख चुकी हैं। उस दौरान उन्होंने अपने परिवार के सामने कहा था कि उनकी पहली प्राथमिकता शादी करना नहीं, बल्कि मां बनना है। अभिनेत्री ने बिना शादी किए मां बनने और बेटी गोद लेने की इच्छा भी जाहिर की थी। उनके इस विचार को सुनकर शुरुआत में माता-पिता और करीबी माने जाने वाले अभिनेता निरहुआ यानी दिनेश लाल यादव भी हैरान और चिंतित हुए थे।

ओरी का सारा अली खान और अमृता सिंह पर बड़ा खुलासा! बोले- मुश्किल वक्त में छोड़ दिया साथ

मुंबई। सोशल मीडिया सेंसेशन और रियलिटी शो स्टार ओरी एक बार फिर अपने बेबाक बयानों को लेकर सुर्खियों में हैं। इस बार उन्होंने बॉलीवुड एक्ट्रेस सारा अली खान और उनकी मां अमृता सिंह के साथ अपने बिगड़े रिश्तों पर खुलकर बात की है। ओरी ने दावा किया कि मुश्किल वक्त में उन्होंने सारा का पूरा साथ दिया, लेकिन जब उन्हें सहारे की जरूरत थी, तब सारा ने उनसे दूरी बना ली। इतना ही नहीं, ओरी ने यह भी आरोप लगाया कि अमृता सिंह ने उन्हें गालियां दी थीं।

नेहा धूपिया और अंगद बेदी के पॉडकास्ट %डबल डेट% में बातचीत के दौरान ओरी ने सारा और अमृता को सोशल मीडिया पर अनफॉलो करने की वजह बताई। ओरी ने कहा कि सारा उनकी बचपन की दोस्त जैसी थीं। दोनों कॉलेज के समय से एक-दूसरे को जानते थे और करीब 10 साल तक उनकी दोस्ती रही। उन्होंने बताया कि सारा की मां ने उन्हें बहुत डांटा था, जिसके बाद उन्होंने अमृता सिंह को भी सोशल मीडिया पर अनफॉलो कर दिया।

ओरी ने बातचीत में बताया कि जब सारा एक बड़े केस में फंसी थीं, तब वह उनके साथ खड़े रहे थे। उस दौरान दोनों गोवा में थे। ओरी के मुताबिक, उन्होंने



सारा का साथ तब भी नहीं छोड़ा, जब लोग उन्हें इस मामले से दूर रहने की सलाह दे रहे थे। ओरी ने कहा कि उन्होंने सारा के मुश्किल समय में उनकी मां और भाई का भी ख्याल रखा। लेकिन जब खुद ओरी को जरूरत थी, तब सारा ने एक बार भी फोन करके उनका हाल नहीं पूछा। उनके मुताबिक, इस व्यवहार से उन्हें काफी दुख पहुंचा। ओरी ने यह भी कहा कि सारा ने आज तक उनसे माफी नहीं मांगी है। पॉडकास्ट के दौरान ओरी ने बदला लेने को लेकर भी ऐसा बयान दिया, जिसने सबका ध्यान खींच लिया।



मेट्रो बाजार

एसबीआई का दूसरी तिमाही में मुनाफा 14 प्रतिशत बढ़ा, एसेट क्वालिटी में हुआ सुधार

मुंबई । भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) ने मंगलवार को वित्त वर्ष 27 की दूसरी तिमाही (जुलाई-सितंबर) के नतीजे जारी किए। इस दौरान बैंक का शुद्ध मुनाफा सालाना आधार पर 14.3 प्रतिशत बढ़कर 23,038 करोड़ रुपए पर पहुंच गया है। इसमें सहयोगी कंपनी में हिस्सेदारी बिक्री से आई एक मुश्त आय भी शामिल है। एसबीआई को वित्त वर्ष 27 की दूसरी तिमाही में अपनी सहयोगी कंपनी एसबीआई फंड्स मैनेजमेंट लिमिटेड में 6.30 प्रतिशत की हिस्सेदारी बिक्री से 7,288 करोड़ रुपए प्राप्त हुए थे। इससे पहले वित्त वर्ष 26 की दूसरी तिमाही में कंपनी का शुद्ध मुनाफा 20,160 करोड़ रुपए रहा था।

वित्त वर्ष 27 की दूसरी तिमाही में बैंक की शुद्ध ब्याज आय (एनआईआई) सालाना आधार पर 15 प्रतिशत बढ़कर 49,143 करोड़ रुपए रही है, जो कि पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में 42,847 करोड़ रुपए थी। वित्त वर्ष 27 की जुलाई-सितंबर अवधि में एसबीआई का ऑपरेटिंग मुनाफा सालाना आधार पर 1.4 प्रतिशत कम होकर 26,937 करोड़ रुपए रह गया है, जो कि पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में 27,311 करोड़ रुपए था। चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में बैंक का प्रोविजन घटकर 4,217 करोड़ रुपए रह गया है, जो कि एक साल पहले समान अवधि में 5,400 करोड़ रुपए और इससे पहले की तिमाही में 5,047 करोड़ रुपए पर था।

1 जनवरी से बदल जाएंगे दूरसंचार के नियम, कॉल की गुणवत्ता और नेटवर्क सेवाओं में होगा सुधार

नई दिल्ली। देश में दूरसंचार सेवाओं को आधुनिक और बेहतर बनाने के लिए भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण (ट्राई) ने बड़ा कदम उठाया है। ट्राई ने मंगलवार को दूरसंचार अंतरसंबंध (तीसरा संशोधन) विनियम, 2026 जारी किए हैं। ये नए नियम 1 जनवरी 2027 से लागू होंगे। इनका उद्देश्य दूरसंचार कंपनियों के नेटवर्क के बीच संपर्क मजबूत करना, कॉल की गुणवत्ता सुधारना और उपलब्ध संसाधनों का बेहतर इस्तेमाल सुनिश्चित करना है।

ट्राई के नए नियमों के मुताबिक, 1 जनवरी 2027 के बाद स्थापित होने वाले सभी नए नेटवर्क संपर्क इंटरनेट प्रोटोकॉल आधारित होंगे। इसके साथ ही पुराने ई-वन और टीडीएम आधारित संपर्कों को भी तीन वर्षों के भीतर चरणबद्ध तरीके से नई तकनीक में बदला जाएगा। इस बदलाव से नेटवर्क की क्षमता का बेहतर इस्तेमाल होगा। साथ ही फोन पर बातचीत की आवाज की गुणवत्ता और सेवाओं की विश्वसनीयता में सुधार होने की उम्मीद है।



नए नियमों के तहत लंबी दूरी और कम दूरी के मौजूदा संपर्क केंद्रों को लाइसेंस प्राप्त सेवा क्षेत्र स्तर पर स्थानांतरित किया जाएगा। इसके लिए तीन साल का समय निर्धारित किया गया है। इससे अलग-अलग दूरसंचार नेटवर्क के बीच कॉल और संदेशों का आवागमन आसान होगा। साथ ही नेटवर्क पर दबाव कम करने और सीमित दूरभाष संख्या संसाधनों का बेहतर इस्तेमाल करने में मदद मिलेगी। ट्राई ने दूरसंचार कंपनियों के लिए संपर्क केंद्र छोड़ने की अलग व्यवस्था बनाई है। अब कंपनियां अपनी जरूरत के अनुसार किसी संपर्क केंद्र को बंद कर सकती हैं। ऐसा यातायात कम होने, किसी क्षेत्र से सेवाएं वापस लेने या संपर्क व्यवस्था में बदलाव के कारण किया जा सकेगा।



जर्मनी के हैम्बर्ग में 9 साल में पानी पर बनेगा तैरता ओपेरा हाउस

बर्लिन। जर्मनी के हैम्बर्ग में बाकेनहोफ द्वीप पर अगले ९साल में एक भव्य तैरताओपेरा हाउस बनाया जाएगा। क्रूज की तरह दिखने वाले इस अनूठे ओपेरा का बयार्क इंगल्स ग्रुप ने तैयार किया है। यहां सीढ़ीनुमा हरी छतों और खुली सड़कों के साथ एक तैरते हुए द्वीप का अहसास होगा। 2034 में इसके बनने के बाद यह जर्मनी के सबसे बड़े सांस्कृतिक स्थलों में शामिल होगा। जहां ओपेरा, बैले और फिल्हारमोनिक ऑर्केस्ट्रा तीनों एक ही छत के नीचे देखने को मिलेंगे। इसके निर्माण पर आने वाला करीब 1400 करोड़ रुपए से ज्यादा का खर्च क्यून फाउंडेशन उठाएगी।

न्यूज विंडो

पंजाब के मोगा में आप विधायक डॉ. अमनदीप के घर ईडी रेड

मोगा। मोगा से आम आदमी पार्टी की विधायक डॉ. अमनदीप कौर अरोड़ा के घर पर प्रवर्तन निदेशालय ने छापा मारा है। डॉ.



अमनदीप कौर अरोड़ा पंजाब की महिला विंग की प्रधान भी हैं। विधानसभा चुनाव 2027 के लिए अमनदीप कौर को आप की पहली सूची में मोगा से टिकट मिला है। बुधवार सुबह करीब 6 बजे ईडी की टीम डॉ. अमनदीप कौर अरोड़ा के मोगा स्थित दोनों आवासों पर पहुंची। जानकारी के मुताबिक, विधायक अरोड़ा घर पर ही मौजूद हैं और ईडी की टीम उनसे पूछताछ कर रही है। फिलहाल किस मामले में ईडी ने कार्रवाई की है, इसकी आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई है। वहीं आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ताओं ने विधायक के घर के बाहर ईडी के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया। उनका आरोप है कि विधायक के बीजेपी में शामिल न होने पर ईडी ने रेड की है।

अनूपगढ़-सूरतगढ़ रेलवे लाइन पर धमाका, दो स्लीपर टूटे

श्री गंगानगर। राजस्थान के श्रीगंगानगर जिले में अनूपगढ़-सूरतगढ़ रेलवे लाइन पर मंगलवार देर रात जोरदार धमाका हुआ। अनूपगढ़ कस्बे के पास 50 जीबी गांव के नजदीक हुए इस ब्लास्ट से रेलवे ट्रैक को नुकसान पहुंचा है।



पटरी के नीचे लगे सीमेंट के दो स्लीपर पूरी तरह टूट गए और पटरियों के बीच करीब दो फीट गहरा गड्ढा बन गया। धमाके की आवाज करीब 200 मीटर दूर तक सुनाई दी। सूचना मिलने पर पुलिस के साथ आईबी, सीआईडी और एंटी टेररिस्ट स्क्वॉड की टीमें मौके पर पहुंचीं। पुलिस के अनुसार, घटना मंगलवार रात करीब 9:45 बजे की है। इससे लगभग 45 मिनट पहले इस रूट से पैसेंजर ट्रेन गुजरी थी। एहतियातन बुधवार सुबह नौ बजे तक इस लाइन पर चलने वाली ट्रेनों को रद्द किया गया है। मौके पर जांच और सुरक्षा से जुड़ी कार्रवाई जारी है। रामसिंहपुर सीआई राम प्रताप के मुताबिक, मंगलवार रात करीब 8:30 बजे अनूपगढ़ जंक्शन से सूरतगढ़ की ओर जाने वाली ट्रेन रवाना हुई थी।

तीन नाबालिग लड़कियों से दुष्कर्म, दो आरोपी गिरफ्तार

रांची। झारखंड के खूंटी थाना क्षेत्र में तीन नाबालिग लड़कियों के साथ दुष्कर्म का मामला सामने आया है। इस मामले में पुलिस ने चार युवकों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है। इनमें से दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है, जबकि बाकी दो की तलाश की जा रही है। पीड़िताओं के बयान के आधार पर खूंटी महिला थाना पुलिस ने मंगलवार को पॉक्सो एक्ट और अन्य संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया। पुलिस गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ कर रही है और मामले की जांच जारी है। मामले की जानकारी के अनुसार, चार युवक तीनों नाबालिग लड़कियों को बहला-फुसलाकर अपने साथ ले गए थे। आरोप है कि युवकों ने रात के समय तीनों पीड़िताओं को अलग-अलग स्थानों पर ले जाकर उनके साथ जबरदस्ती की। घटना के बाद मंगलवार को खूंटी महिला थाना में तीनों नाबालिगों के बयान दर्ज किए गए। पीड़िताओं के बयानों के आधार पर पुलिस ने पॉक्सो एक्ट और अन्य संबंधित धाराओं में प्राथमिकी दर्ज की।

हार के असर: दिवाली पर महंगा हो सकता है सोना राहत-अमेरिका से भारत लौट सकते हैं निवेशक

वाशिंगटन। एजेंसी

अमेरिका के राष्ट्रपतियों को एक श्राप मिला है। नाम हैं- मिडटर्म कर्स। 20 में से 18 बार, यानी 90% मिडटर्म चुनाव मौजूदा राष्ट्रपति की पार्टी हारी है। डोनाल्ड ट्रम्प भी बच नहीं सके। ट्रंप की रिपब्लिकन पार्टी को मिडटर्म चुनावों में झटका लगा। उसने दोनों सदनों से बहुमत खो दिया। अब संसद पर विपक्षी डेमोक्रेट्स का नियंत्रण होने से उन्हें कानून बनाने, जांच करने व फंडिंग मामलों में ताकत मिल गई है।

अब मिस्टर वीटो बनेंगे ट्रंप, सदन में रोकेंगे डेमोक्रेट्स के बिल

ट्रंप की हार और विरोधी डेमोक्रेट्स के जीतने के बाद भी ट्रंप के पास वीटो अधिकार हैं। वे डेमोक्रेट्स के बिलों को सदन में रोक सकते हैं। उन्होंने एक दिन पहले ही मीडिया से चर्चा में कहा था कि यदि मैं हार गया तो मिस्टर वीटो बन जाऊंगा। ट्रंप की हार से भारत को कई मोर्चों पर जहां लाभ दिखेगा, वहीं कई मामलों में अड़चनों का सामना भी करना पड़ सकता है। ट्रंप की हार से अमेरिकी नीतियों में रुकावट आएगी। इससे डॉलर और वहां के बॉन्ड मार्केट पर बुरा असर पड़ रहा है। इस अनिश्चितता से दुनिया भर के बड़े निवेशक अपना पैसा भारत के बाजारों में शिफ्ट कर सकते हैं। चुनावी नतीजों के बीच अंतरराष्ट्रीय बाजार में हाजिर सोना 3,903 से 3,913 डॉलर प्रति औंस और चांदी 49.67 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार कर रही है। वहीं, भारतीय बाजार में 24 कैरेट सोने का भाव 1,42,263 रुपए प्रति 10 ग्राम और चांदी की कीमत 1,86,150 रुपए प्रति किलो पर है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सोने 4,200 डॉलर प्रति औंस तक ले पहुंच सकता है। ऐसा हुआ तो दिवाली में भारत में 10 ग्राम सोने का भाव 1,50,000 रुपए तक पहुंच सकता है। रॉयटर्स की रिपोर्ट बताती है, ईरान युद्ध सीमित हो जाएगा। ऐसे में भारत में कच्चे तेल की आपूर्ति आसान होगी। कुछ हद तक पेट्रोल-डीजल और गैस की कीमतें घट सकती हैं।



ट्रंप के सामने अब सबसे बड़े खतरे

1. महाभियोग

इन चुनाव नतीजों से डोनाल्ड ट्रंप के लिए निकला एक बड़ा डर महाभियोग का है। राष्ट्रपति के रूप में अपने पहले कार्यकाल के दौरान ट्रंप पर दो बार महाभियोग चलाया जा चुका है। डेमोक्रेट्स के हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स में बहुमत आने से तीसरी बार महाभियोग की स्थिति बन सकती है। ऐसा हुआ तो ट्रंप के लिए यह बड़ा झटका होगा।

2. फैसलों की जांच

हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स में बहुमत पाए डेमोक्रेट्स डोनाल्ड ट्रंप, उनके प्रशासन के लोगों और परिवार के व्यावसायिक लेन-देन की संसदीय जांचों पर बढ़ सकते हैं। ट्रंप के परिवार पर वित्तीय गड़बड़ी के आरोप विपक्षी लगाते रहे हैं। हाउस में बहुमत मिलने से डेमोक्रेट्स को सदन की समितियों का नियंत्रण मिल जाएगा, जिससे जांच के रास्ते खुल जाएंगे।

3. ट्रंप का विधायी एजेंडा

डोनाल्ड ट्रंप ने अपने विधायी एजेंडे को बढ़ाने में काफी दिलचस्पी दिखाई है। हाउस पर नियंत्रण मिलने से डेमोक्रेट्स के पास यह तय करने की शक्ति होगी कि किन विधेयकों पर मतदान होगा। वे रिपब्लिकन समर्थित प्रस्ताव रोक सकेंगे। यानी अब ट्रंप के लिए अपने विधायी एजेंडे को आगे बढ़ाना आसान नही होने जा रहा है।

4. अहम पदों पर नियुक्तियां

डेमोक्रेट्स को बहुमत मिलने से ट्रंप को एक बड़ा झटका ये लगेगा कि उनके लिए अपने पसंदीदा संघीय न्यायाधीशों, सुप्रीम कोर्ट के जजों और वरिष्ठ सरकारी अधिकारियों की नियुक्ति करना मुश्किल हो जाएगा। इन सभी नामांकनों के लिए सीनेट की मंजूरी जरूरी है और डेमोक्रेट जब चाहेंगे, तब इन नियुक्तियों पर अड़ंगा लगा देंगे।

5. ट्रंप के खिलाफ सियासी संदेश

मध्यावधि चुनावों में रिपब्लिकन पार्टी की हार एक तरह से डोनाल्ड ट्रंप के दूसरे राष्ट्रपति कार्यकाल पर जनमत संग्रह (रेफरेंडम) की तरह है। इससे ये संदेश जाता है कि उनकी लोकप्रियता घट रही है। यह रिपब्लिकन पार्टी में ट्रंप के विरोधियों का हौसला बढ़ाएगा। यानी उनको ना सिर्फ सदन बल्कि अपनी पार्टी में भी मुश्किल का सामना करना पड़ेगा।

जम्मू-कश्मीर: नेकां ने कहा-रुहुल्ला का इस्तीफा राजनीतिक नौटंकी

श्रीनगर। एजेंसी

सांसद आगा रुहुल्ला मेहदी के नेशनल कॉन्फ्रेंस



(नेकां) की प्राथमिक सदस्यता और लोकसभा से इस्तीफे के एलान के बाद पार्टी ने उन पर तीखा हमला बोला है। नेकां ने बडगाम में दिए गए उनके भाषण को मानसिक और नैतिक दिवालियापन करार देते हुए इस्तीफे को राजनीतिक नौटंकी बताया।

पार्टी ने विशेष दर्जे, पूर्ण राज्य बहाली व आरक्षण मुद्दे पर रुहुल्ला के संसदीय कार्यकाल के दौरान उनकी भूमिका पर सवाल उठाए। प्रवक्ता की ओर से जारी बयान में आरोप लगाया गया कि रुहुल्ला का भाषण आत्म-मोह को दर्शाता है। नेकां ने कहा, कुरान व मानव गरिमा का हवाला देने के बावजूद उन्होंने पार्टी नेतृत्व के खिलाफ अमर्यादित-असंसदीय भाषा का इस्तेमाल किया। उनका बयान उनके राजनीतिक आचरण को दर्शाता है। नेकां ने दावा किया कि पार्टी अध्यक्ष फारूक द्वारा इस्तीफा देने को कहे जाने के बाद रुहुल्ला ने यह कदम उठाया। पार्टी ने 2010 के घटनाक्रम पर कहा, उस समय रुहुल्ला मंत्री पद पर बने रहे और 2014 का विस चुनाव नेकां के टिकट पर लड़ा। सवाल किया कि जिन मुद्दों को वे अब उठा रहे हैं, उन्हें लेकर पहले आवाज क्यों नहीं उठाई। विशेष दर्जे की बहाली को लेकर रुहुल्ला को संसदीय रिकॉर्ड पर घेरते हुए कहा कि उन्होंने 6 नवंबर को विधानसभा से पारित विशेष दर्जे से संबंधित प्रस्ताव का स्वागत करते हुए इसे वादा पूरा होना बताया था।

चाय दुकान पर हुए विवाद के बाद घर पर चढ़कर फायरिंग

मुजफ्फरपुर। बिहार के मुजफ्फरपुर जिले में मामूली विवाद के बाद बदमाशों ने एक व्यक्ति के घर पर चढ़कर गोलीबारी कर दी। घटना कांटी थाना क्षेत्र के मधुबन गांव चौक की है, जहां मंगलवार देर शाम चाय की दुकान पर हुए विवाद के बाद चार आरोपियों ने स्थानीय निवासी अनिल कुमार राय के घर पर पहुंचकर फायरिंग की। इस दौरान दो राउंड गोलियां चलाई गईं। अचानक हुई गोलीबारी से पूरे इलाके में दहशत फैल गई। गनीमत रही कि घर में मौजूद एक महिला बाल-बाल बच गई। मामले में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।

अमृतसर में पाकिस्तान से ड्रोन के जरिए आई 115 करोड़ रुपए की हेरोइन पकड़ी

अमृतसर। एजेंसी

पाकिस्तान में बैठे तस्करों की ओर से ड्रोन के जरिए सीमा के इस पार 23 किलो से ज्यादा हेरोइन भेजी गई, जिसे पुलिस ने बरामद कर लिया है। इस हेरोइन की अंतराष्ट्रीय बाजार में कीमत 115 करोड़ रुपये के करीब है। इसके अलावा पिस्तौल भी बरामद किए गए है। जानकारी के मुताबिक, थाना लोपोके पुलिस और बीएसएफ इंटेलिजेंस विंग और 100 बटालियन बीएसएफ के साथ संयुक्त कार्रवाई करते हुए गांव लोदीगुज्जर निवासी सुखमनप्रीत सिंह को गिरफ्तार



किया। एसएचओ जसदीप सिंह की अगुवाई में पुलिस हेमतपुरा-लोपोके रोड पर नाकाबंदी कर रही थी। इसी दौरान पुलिस को सूचना मिली कि सुखमनप्रीत पाकिस्तान में बैठे तस्कर से हेरोइन और हथियार मंगवाता है। इसके बाद गांव सैदपुरा की सड़क पर नाकाबंदी कर उसे गिरफ्तार कर लिया गया। तलाशी में 13 किलो हेरोइन, पिस्तौल और मैगजीन बरामद हुई। वहीं घरिंडा थाना पुलिस ने सरकारी बाग के पास जीटी रोड पर नाकाबंदी के दौरान गुरबख्शीश सिंह उर्फ बख्शिश और बिक्रमजीत सिंह को गिरफ्तार किया।

मेट्रो एंकर हिमाचल प्रदेश में दादागिरी रोकने के लिए लाहुल-स्पीति में सामान्य कैदियों से अलग रखा जाएगा

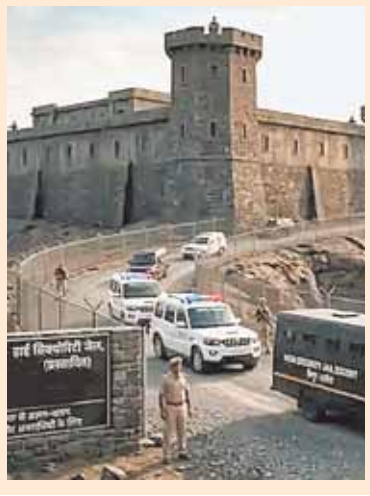
अब हाई सिक्योरिटी जेल बनेगी खूंखार अपराधियों का ठिकाना

शिमला। एजेंसी

हिमाचल प्रदेश की जेलों में बंद गैंगस्टरों, खूंखार अपराधियों और भाड़े के शूटरों की दादागिरी पर लगाम लगाने के लिए अब उन्हें सामान्य कैदियों से अलग रखने की तैयारी है। जेलों के भीतर दबदबा कायम कर दूसरे कैदियों को डराने-धमकाने, उनके साथ मारपीट करने और उगाही की कोशिशों जैसी गतिविधियों पर अंकुश लगाने के उद्देश्य से लाहुल-स्पीति में उच्च सुरक्षा वाली जेल विकसित करने की योजना बनाई जा रही है। इस जेल में कुख्यात अपराधियों को अलग-अलग सेल में रखने की व्यवस्था होगी, ताकि वे दूसरे कैदियों पर अपना प्रभाव न बना सकें और जेल के भीतर अनुशासन कायम रखा जा सके।

कुख्यात अपराधी दूसरे कैदियों पर बनाते हैं दबाव

जेल में बंद कुछ कुख्यात अपराधी अपने आपराधिक प्रभाव और बाहरी नेटवर्क के दम पर दूसरे कैदियों पर दबाव बनाने की कोशिश करते हैं। ऐसे कैदियों की मौजूदगी से सामान्य बंदियों की सुरक्षा और जेल प्रशासन के सामने भी चुनौती खड़ी होती है। कई बार कैदियों के बीच मारपीट, धमकाने और वसूली की कोशिशों जैसी घटनाएं जेल प्रबंधन के लिए परेशानी बनती हैं। ऐसे में खतरनाक अपराधियों को सामान्य कैदियों से अलग रखने की व्यवस्था को जेलों में अनुशासन और सुरक्षा मजबूत करने की दिशा में अहम कदम माना जा रहा है।



निगरानी और नियंत्रण होगा आसान

लाहुल-स्पीति के केलंग या आसपास प्रस्तावित उच्च सुरक्षा जेल में ऐसे कैदियों को अलग-अलग रखने की व्यवस्था विकसित करने का उद्देश्य उनके आपसी संपर्क और दूसरे बंदियों पर प्रभाव को सीमित करना होगा। इससे सामान्य कैदियों को भय और दबाव से मुक्त वातावरण मिल सकेगा। साथ ही जेल प्रशासन के लिए कुख्यात अपराधियों की निगरानी और उनकी गतिविधियों पर नियंत्रण रखना भी आसान होगा।

डीजीपी जेल ने भेजा डीसी को पत्र

महानिदेशक कारागार एवं सुधारात्मक सेवाएं हिमाचल प्रदेश की ओर से एक अक्तूबर 2026 को उपायुक्त लाहुल-स्पीति को पत्र लिखकर 60 से 70 बीघा सरकारी जमीन की तलाश का आग्रह किया गया है।

जेलों में क्षमता से अधिक कैदी

इस प्रस्ताव के पीछे प्रदेश की जेलों में बढ़ती कैदियों की संख्या भी एक बड़ी वजह है। प्रदेश की जेलों की कुल स्वीकृत क्षमता 2,580 कैदियों की है, जबकि वर्तमान में इनमें 3,392 कैदी बंद हैं। यानी जेलों में निर्धारित क्षमता से 812 अधिक कैदी रखे गए हैं। कुल क्षमता के मुकाबले कैदियों की संख्या लगभग 131.5 प्रतिशत तक पहुंच गई है।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **संपादक राजेश सिरोठिया** **स्थानीय संपादक अनिल शर्मा*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-7963564, 4917524